Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 190
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,08 फरवरी 2026

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

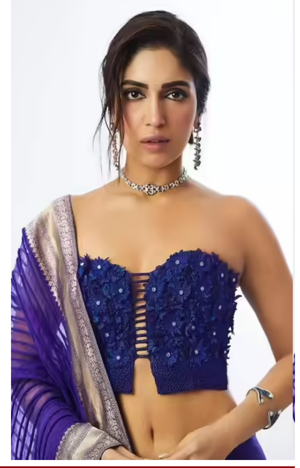

2 निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं ने निषाद समाज को
4 सिर्फ एक बार आजमाएं ये पांच नुस्खे, बगीचा बनेगा
7 बॉक्स ऑफिस से ओटीटी तक भूमि पेडनेकर

भारत-अमेरिका डील पर बोले मुख्यमंत्री योगी

यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

लखनऊ,(संवाददाता)। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह अंतरिम व्यापार ढांचा मेक इन इंडिया को निर्णायक बढ़ावा देता है। यह भारतीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है और साथ ही किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका की रक्षा करता है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, उन्होंने एक संतुलित, पारस्परिक और भारत-प्रथम समझौते को सुरक्षित करने में अपने निर्णायक और गतिशील नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जो एमएसएमई को सशक्त बनाता है, निर्यात को बढ़ावा देता है, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करता है और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ता भारत-अमेरिका सहयोग मेड इन इंडिया में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दशार्ता है और वैश्विक विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इससे पहले, राष्ट्रीय लोकदल के नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने भी भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने किसान, कामगार, कारीगर, कुटीर उद्योग और युवाओं के लिए ही दूसरे देश और समूह के साथ व्यापार नीति और करार में परिवर्तन के लिए प्रयास किया है। उन्होंने स्वयं इस बात को दो टूक कहा था और कई बार दोहराया भी। उन्होंने कहा, देश का किसान भी जानता है कि बेहतर दाम, उत्पाद और आर्थिक तरक्की के लिए विज्ञान, विधि और व्यापार से ही उनकी मेहनत रंग लाएगी। किसान खुशहाल, गांव संपन्न, और हम विकसित भारत की ओर। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने व्यापार समझौते को लेकर कहा, भारतीय निर्यातकों के लिए पारस्परिक टैरिफ में 18 प्रतिशत की कमी गेम चेंजर साबित होगी। कपड़ा और चमड़े से लेकर मशीनरी और हस्तशिल्प उत्पादों तक, यह समझौता विस्तार, वैश्विक पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मकता के अवसर पैदा करता है। जितिन प्रसाद ने यह भी बोला कि भारत और अमेरिका में होने वाले अंतरिम समझौते का फ्रेमवर्क डिजिटल सेवा क्षेत्र में भारत की अग्रणी स्थिति को और अधिक मजबूत करेगा। दोनों देशों के बीच संयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग से भारत भविष्य में एआई, डेटा और डिजिटल सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में डेयरी, फल, सब्जियां, मसाले और अन्य अनाजों को संरक्षित किया गया है। स्थानीय कृषि को इतने बड़े बाजार में मजबूती मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और सशक्त कदम बढ़ेगा।

नागरिकता-वोटर लिस्ट विवाद

सोनिया गांधी ने आरोपों से किया इनकार

अब 21 फरवरी को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए मतदाता सूची में कथित तौर पर नाम शामिल कराए जाने के मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल रिवीजन पिटीशन पर राउज एवेन्यू कोर्ट में उनकी ओर से जवाब दाखिल किया गया है। सोनिया गांधी की तरफ से कोर्ट को बताया गया है कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और इसके पीछे साफ तौर पर राजनीतिक मंशा है। उनके जवाब में कहा गया है कि यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और उन्हें बेवजह विवादों में घसीटने की कोशिश की जा रही है। कोर्ट में दाखिल जवाब में सोनिया गांधी ने साफ कहा है कि निचली अदालत ने पहले ही सही निष्कर्ष निकाला था। नागरिकता से जुड़े मामलों का अधिकार क्षेत्र केवल केंद्र सरकार के पास है, जबकि मतदाता सूची या चुनाव से जुड़े विवादों को देखने का अधिकार सिर्फ चुनाव आयोग को है। ऐसे मामलों में कोई भी आपराधिक अदालत दखल नहीं दे सकती। उनके मुताबिक, इस तरह की याचिकाएं दाखिल कर अदालत का समय बर्बाद किया जा रहा है। सोनिया गांधी ने यह भी कहा है कि शिकायत में जो आरोप लगाए गए हैं, उनके समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज या सबूत पेश नहीं किया गया है। सिर्फ अनुमान और सवालों के आधार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जो कानूनन टिक नहीं सकते। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाना ही न्यायसंगत है। कोर्ट ने अब इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 21 फरवरी तय की है। इस मामले में वकील विकास त्रिपाठी ने रिवीजन पिटीशन दाखिल की है। इससे पहले, बिना नागरिकता के वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के आरोपों की जांच की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सितंबर 2025 में खारिज कर दिया था। याचिका में दावा किया गया था ।

सार संक्षेप

हैवान पिता ने एक साल की मासूम बेटी को ठंडे पानी के टब में डाला, तड़प-तड़प कर बच्ची की मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक हैवान पिता ने अपनी मासूम बेटी की जान ले ली। दरअसल, रावतपुर क्षेत्र में घरेलू कलह के बीच एक नशेड़ी ने अपनी मासूम पुत्री की पानी भरे टब में डाल दिया, जिसके उसकी मौत हो गई। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, मसवानपुर निवासी महिला रुचि ने थाने में सूचना दी कि वर्ष 2024 में उसका प्रेम विवाह गोपाल गुप्ता नामक व्यक्ति से हुआ था जो नशे का आदी है। उसकी इस आदत की वजह से आए दिन पति पत्नी में झगड़ा हुआ करता था। इसी के चलते पिछली एक फरवरी को भी पति पत्नी के बीच झगड़ा हुआ और गोपाल ने अपनी एक वर्षीय पुत्री को नशे की हालत में पानी भरे टब में डाल दिया। टब में डालने से मासूम की हालत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां शुक्रवार देर शाम उसकी मृत्यु हो गई।

दिल्ली में बाइक सवार की मौत, लापरवाही पर दिल्ली पुलिस का एक्शन

नईदिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि जनकपुरी में सड़क पर खोदे गए जिस गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई वहां कोई अवरोधक, चेतावनी के संकेत या सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं थे। व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल के साथ इसी 15 फुट गहरे गड्ढे में गिर गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। प्राथमिकी के अनुसार, यह गड्ढा दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और उसके ठेकेदार द्वारा आंध्र स्कूल के पास प्रोफेसर जोगिंदर सिंह मार्ग पर खोदा गया था। गड्ढा खुला छोड़ दिया गया था और वहां सड़क उपायोगकताओं के लिए कोई चेतावनी संकेत नहीं लगाए गए थे। प्राथमिकी में कहा गया है, सड़क के बीचोंबीच गड्ढा खोदे जाने के बावजूद वहां न तो कोई अवरोधक लगाया गया, न ही कोई चेतावनी चिह्न और न ही कोई सुरक्षा गार्ड तैनात था। पुलिस ने कहा कि दुर्घटना के बाद किए गए मौके के निरीक्षण से पता चला कि संबंधित अधिकारियों को खुदाई के काम की जानकारी थी, लेकिन वे बुनियादी सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने में नाकाम रहे। प्राथमिकी में कहा गया है, घटनास्थल के निरीक्षण से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि गड्ढे को बिना किसी सुरक्षा उपाय के खुला छोड़ दिया गया था जिससे यात्रियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया था। रोहिणी स्थित एक निजी बैंक में कार्यरत कमल ध्यानी बृहस्पतिवार-शुक्रवार की रात घर लौट रहे थे कि तभी वह सीवर परियोजना के लिए खोदे गए गड्ढे में बाइक के साथ गिर गए जिससे उन्हें जानलेवा चोट आई।

भारतीय समुदाय को पीएम मोदी ने किया संबोधित

भारत विकास का भरोसेमंद साझेदार

कुआलालंपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत को "विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार" के रूप में देखा जाता है और यह बात ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हाल में हुए व्यापार समझौतों में परिलक्षित होती है। मोदी ने यहां भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय प्रवासी भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं। विभिन्न देशों के साथ भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौतों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को "विकास के लिए एक भरोसेमंद भागीदार" के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ और अमेरिका के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हुए हैं और विश्वास भारत की सबसे मजबूत मुद्रा बन गया है। मोदी ने कहा, "हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, इसका कारण हमारी भाषाओं और मलय भाषा में बड़ी संख्या में मौजूद समान शब्द ही होंगे।" उन्होंने कहा, "कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के स्नेह के लिए मैं आभारी हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और मलेशिया के बीच एक मजबूत सेतु का काम करता आ रहा है।" मोदी ने कहा कि उन्हें मलेशिया में आकर बहुत खुशी हो रही है, जो 2026 में उनकी पहली विदेश यात्रा है। उन्होंने कहा, "मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैं उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से ही दोस्त हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि मलेशिया में रहने वाले तमिल प्रवासी विभिन्न क्षेत्रों में समाज की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "दरअसल, तमिल प्रवासी यहां कई सदियों से रह रहे हैं। इस इतिहास से प्रेरित होकर, हमें मलय विश्वविद्यालय में 'तिरुवल्लुवर चेयर' की स्थापना करने पर गर्व है। अब हम अपनी साझा विरासत को और मजबूत करने के लिए एक तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करेंगे।" मोदी ने कहा कि विश्व में भारतीय मूल के लोगों का दूसरा सबसे बड़ा समुदाय मलेशिया में है और भारतीय और मलेशियाई लोगों के दिलों को जोड़ने वाली कई बातें हैं। उन्होंने कहा, "मैंने हाल में अपने 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान 1.4 अरब भारतीयों के साथ साझा किया था कि मलेशिया में 500 से अधिक स्कूल बच्चों को भारतीय भाषाओं में पढ़ाते हैं।" उन्होंने कहा कि "भारत की सफलता मलेशिया की सफलता है और यह एशिया की सफलता है"। मोदी ने कहा, "इसीलिए मैं कहता हूं कि हमारे संबंधों का मार्गदर्शक शब्द 'इम्पैक्ट' है। 'इम्पैक्ट' का अर्थ है सामूहिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए भारत-मलेशिया साझेदारी।" मोदी ने भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों से भारत की यात्रा करने और भारत का अनुभव करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, "आपको अपने मलय मित्रों को भी साथ लाना होगा। क्योंकि लोगों के बीच संपर्क ही हमारी मित्रता की आधारशिला है।" इससे पहले मोदी और अनवर इब्राहिम का कार्यक्रम में जबरदस्त स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इन नर्तकों ने भरतनाट्यम, कथक, कथकली, कुचिपुड़ी, लावणी और ओडिसी समेत भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया। मोदी और इब्राहिम एक ही कार में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

शंकराचार्य से दुर्व्यवहार पर भड़के विवेक तन्खा, केंद्रीय बजट को बताया औसत

जबलपुर। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने शंकराचार्य अवि मुक्तेश्वरानंद के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। मीडिया से बातचीत में तन्खा ने कहा कि किसी भी धर्मगुरु के साथ अशोभनीय व्यवहार स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि धर्म आस्था का केंद्र होता है।

उन्होंने कहा कि सहमति, असहमति अलग विषय है, लेकिन गंगा जैसे पवित्र स्थल पर स्नान के लिए जा रहे संत को रास्ते में रोकना पूरी तरह गलत है। तन्खा ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे पर पहले ही सोशल मीडिया के माध्यम से विरोध दर्ज कराया है। विवेक तन्खा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुप्रीम कोर्ट में रखे गए पक्ष की भी सराहना की। उन्होंने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने चीफ जस्टिस की बेंच के सामने इतनी स्पष्टता और मजबूती से अपनी बात रखी। अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए तन्खा ने इसे औसत बजट करार दिया। उन्होंने कहा कि इसमें रोजगार सृजन को लेकर कोई ठोस पहल नहीं दिखती, साथ ही जबलपुर, महाकौशल क्षेत्र के लिए भी कुछ खास प्रावधान नहीं किए गए, जिससे देशभर में उत्साह का माहौल नहीं बन पाया।

ओवैसी का बड़ा बयान, कहा

, भारत में मुसलमानों की आबादी कभी भी हिंदुओं से अधिक नहीं होगी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि भारत में मुस्लिम आबादी कभी भी हिंदू आबादी से अधिक नहीं होगी। हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने तेलंगाना में नगर निगम चुनाव से पहले शुक्रवार रात निजामाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वह राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया भाषण को सुन रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया की आबादी बूढ़ी हो रही है जबकि भारत की आबादी युवा है। एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने सवाल किया, ष्अगर प्रधानमंत्री से पूछा जाए कि देश की 60 प्रतिशत आबादी 40 साल से कम उम्र की है तो उन्होंने (मोदी ने) उनके रोजगार के लिए क्या उपाय किए हैं और उन्हें कौन से कौशल सिखाए हैं?ष् उन्होंने कहा, ष्बीस साल बाद, यह युवा आबादी बूढ़ी हो जाएगी। महंगाई कितनी बढ़ेगी और उन्हें कितना खर्च करना पड़ेगा, इस बारे में हम सोचते ही नहीं। इसके बजाय, वे कहते हैं कि मुसलमानों की आबादी बढ़ रही है... मुस्लिम आबादी स्थिर हो जाएगी। भारत में मुसलमानों की आबादी कभी भी हिंदुओं की आबादी से अधिक नहीं होगी। ओवैसी ने कहा, अब उन्हें समझ आ रहा है कि 25-30 साल बाद, देश की आबादी बूढ़ी हो जाएगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत कहते हैं कि कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। हालांकि वह खुद ऐसा नहीं करते, यह अलग बात है। उन्होंने कहा, पहले कहा जाता था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए एक विधेयक लाया जाएगा और वे मुसलमानों की आलोचना करते थे। अब उन्हें एहसास हो गया है कि जब देश की आबादी बूढ़ी होगी तो इसका देश पर क्या असर पड़ेगा। ओवैसी ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच का पाकिस्तान द्वारा बहिष्कार किये जाने पर कहा कि भारत मेजबानी कर रहा है ।

बीजेपी की रितु तावडे मुंबई महापौर पद के लिए नामित, उपमहापौर के लिए शिवसेना के संजय घाडी उम्मीदवार

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को मुंबई के महापौर चुनाव के लिए पार्षद रितु तावडे को नामित किया, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना ने संजय घाडी को उपमहापौर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। भाजपा नेता अमित सातम ने तावडे के नाम की घोषणा की, जबकि शिवसेना नेता राहुल शेवाले ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मुख्यालय में घाडी की उम्मीदवारी की घोषणा की। तावडे वार्ड 132 से पार्षद हैं, जबकि घाडी 15 जनवरी को हुए नगर निकाय चुनाव में वार्ड 5 से चुने गए थे। शिवसेना सचिव संजय मोरे ने एक बयान में कहा कि घाडी 15 महीने तक उपमहापौर के तौर पर काम करेंगे। वह शिवसेना (उबाठा) के उन वरिष्ठ पूर्व पार्षदों में से एक थे, जो पाला बदलकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। मुंबई में उपमहापौर का कार्यकाल बांटकर शिवसेना अपने चार पार्षदों को इस पद पर मौका देना चाहती है। गौरतलब है कि 227 सदस्यीय बीएमसी के चुनाव में भाजपा 89 सीट के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी जबकि शिवसेना ने 29 सीट जीतीं। सत्ताधारी गठबंधन के पास कुल 118 पार्षद हैं और उसने बहुमत के 114 के आंकड़े को पार कर लिया है तथा महापौर पद हासिल करने की अच्छी स्थिति में है। बीएमसी में 1997 से 25 वर्षों तक राज करने वाली शिवसेना (उबाठा) ने 65 सीट जीतीं जबकि उसके सहयोगी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने क्रमशः छह और एक सीट जीती। अन्य दलों में कांग्रेस ने 24 सीट जीतीं, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने आठ, राकांपा (अजित पवार गुट) ने तीन और समाजवादी पार्टी ने दो सीट जीतीं। नौ साल के अंतराल के बाद हुए इस बड़े चुनाव में दो निर्दलीय उम्मीदवार भी जीते। पिछला कार्यकाल खत्म होने के बाद बीएमसी आयुक्त सात मार्च 2022 से राज्य सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक के तौर पर काम कर रहे हैं। देश के सबसे अमीर नगर निकाय बीएमसी का 2025-26 का बजट 74,450 करोड़ रुपये तय किया गया था, जो कुछ छोटे राज्यों के बजट से भी ज्यादा है।

मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया से फिर मांगी माफी, बोले, मेरी छोटी सी त्रुटि से इतना बड़ा विवाद उत्पन्न हुआ

इंदौर। मंत्री विजय शाह ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने पहले भी कई बार स्पष्ट किया है और आज पुनः दोहराना चाहते हैं कि उनका किसी महिला अधिकारी, भारतीय सेना अथवा समाज के किसी भी वर्ग का अपमान करने का कोई उद्देश्य नहीं था। उन्होंने कहा कि निःसंदेह उनके शब्द उनकी वास्तविक भावना के अनुरूप नहीं थे। देशभक्ति की भावना और आवेश में वे शब्द निकल गए, जो अनुचित थे। उन्होंने आग्रह किया कि इस त्रुटि के पीछे की भावना को अवश्य देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसमें किसी प्रकार की दुर्भावना नहीं थी। मंत्री शाह ने कहा कि वे पहले भी क्षमा याचना कर चुके हैं और आज भी पूरे मन से माफी मांगते हैं। उनके लिए यह अत्यंत पीड़ादायक है कि एक छोटी सी त्रुटि के कारण इतना बड़ा विवाद उत्पन्न हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना के प्रति उनके मन में सदैव गहरा सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। सार्वजनिक जीवन में रहते हुए शब्दों की मयार्दा अत्यंत आवश्यक होती है और इस घटना से उन्होंने आत्ममंथन किया है।

मंत्री शाह ने कहा कि उन्होंने इस प्रकरण से सबक लिया है, अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की है और भविष्य में अपनी वाणी पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे, ताकि ऐसी गलती दोबारा न हो। अंत में उन्होंने एक बार पुनः इस प्रकरण से आहत सभी नागरिकों और भारतीय सेना से क्षमा याचना की।

पप्पू यादव की गिरफ्तारी को राहुल गांधी ने बताया राजनीतिक प्रतिशोध, पटना नीट छात्रा के मामले से जोड़ा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए शनिवार को कहा कि बिहार में नीट आकांक्षी की मौत के मामले में इंसाफ की आवाज उठाने पर उन्हें डराया और धमकाया जा रहा है। पटना पुलिस ने 35 साल पुराने एक मामले में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, पटना में नीट की आकांक्षी छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके बाद की पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर व्यवस्था की गहरी सड़ांध को उजागर कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि पीड़ित परिवार ने जब निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की, तो वही पुराना भाजपा-राजग मॉडल सामने आ गया कि मामले को भटकाओ, परिजनों को प्रताड़ित करो और अपराधियों को सत्ता का संरक्षण दो।

राहुल गांधी ने कहा, इस बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर साथी सांसद पप्पू यादव जी मजबूती से खड़े हुए। उनकी गिरफ्तारी साफ तौर पर राजनीतिक प्रतिशोध है ताकि जवाबदेही मांगने वाली हर आवाज को डराया और दबाया जा सके। उन्होंने कहा कि सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि यह घटना किसी एक मामले तक सीमित नहीं दिखती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यह एक भयावह साजिश एवं खतरनाक चलन की ओर इशारा करती है, जहां और भी बेटियां शिकार बन रही हैं और सत्ता इस खौफनाक सच्चाई से आंखें मूंदकर बैठी है। यह राजनीति नहीं, इंसाफ का सवाल है। यह बिहार की बेटी की इज्जत और सुरक्षा का सवाल है। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी पप्पू यादव के प्रति एकजुटता प्रकट की और आरोप लगाया कि भाजपा एवं उसके सहयोगी दल अत्याचार के साथ खड़े हुए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पटना के हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या का मामला झकझोर देने वाला है। यह मामला सामने आने के बाद सरकार का रवैया उससे भी ज्यादा खौफनाक है। प्रियंका ने कहा, प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर जांच और कार्रवाई तक सबकुछ संदिग्ध बना दिया गया है। यह सब किसे बचाने के लिए किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि हाथरस, उन्नाव से लेकर अंकिता भंडारी और पटना तक- जहां भी महिलाओं के साथ अत्याचार होता है, भाजपा की सरकारें पीड़िता को न्याय दिलाने की जगह आरोपियों के साथ खड़ी हो जाती हैं।

आईआरसीटीसी की भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा करने का सुनहरा मौका\

गोरखपुर,: इंडियन रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कार्पोरेशन लि0 (आईआरसीटीसी) द्वारा सफदरजंग रेलवे स्टेशन से वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिल्का और बैद्यनाथ धाम (ज्योतिर्लिंग) हेतु भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का यात्रा का संचलन 09 से 18 मार्च, 2026 तक 09 रात 10 दिनों के लिये किया जायेगा। इस यात्रा के मुख्य आर्कषण निम्नवत हैंः- इस गाड़ी में वातानुकूलित प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के कुल 150 सीटें उपलब्ध है तथा श्रद्धालुओं के खान-पान की सुविधा हेतु दो रेस्टोरेंट कार भी उपलब्ध है। इस 09 रात 10 दिनों की रेल यात्रा श्रद्धालुओं को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड में पवित्र तीर्थ स्थलों के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध विरासत स्थलों पर भी जाने का अवसर प्रदान करती है। यह यात्रा दिल्ली सफदरजंग से शुरू होगी और वाराणसी, कोलकाता, गंगासागर, पुरी, भुवनेश्वर, कोणार्क, चिल्का और बैद्यनाथ धाम होते हुए वापस दिल्ली लौटेगी। इस यात्रा में जिन खास जगहों पर घूमा जाएगा, उनमें वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर (ज्योतिर्लिंग) और गंगा आरती शामिल हैं, इसके बाद भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता का दौरा किया जाएगा, जिसमें विक्टोरिया मेमोरियल और शहर के अन्य आकर्षण और काली घाट (शक्ति पीठ) और दक्षिणेश्वर काली मंदिर जैसे महत्वपूर्ण मंदिर शामिल हैं। गंगासागर के पवित्र तटों की एक दिन की यात्रा, जिसमें सागर संगम में पवित्र स्नान और कपिल मुनि मंदिर में दर्शन इस यात्रा का मुख्य आकर्षण है। यात्रा पुरी तक जारी रहेगी, जहाँ प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के साथ-साथ भुवनेश्वर, धौली शांति स्तूप, उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएं, कोणार्क सूर्य मंदिर (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) और बहुत कुछ सहित ओडिशा सर्किट का व्यापक दौरा किया जाएगा। यात्रा का अंतिम आध्यात्मिक पड़ाव बैद्यनाथ धाम (देवघर) है, जो भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जिसके बाद 18 मार्च 2026 को दिल्ली सफदरजंग वापस लौटा जाएगा, जो एक यादगार और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा के समापन का प्रतीक होगा।

सुविधायें-

आइ.आर.सी.टी.सी. ने इस खास ट्रेन टूर पैकेज में वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में लिए 1,06,940/- रुपये प्रति व्यक्ति, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के लिए 98,925/- रुपये और वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के लिए 79,285/- रुपये हैं। पैकेज में वातानुकूलित में ट्रेन यात्रा, वातानुकूलित होटलों में रहने की व्यवस्था, खान-पान में सिर्फ शाकाहारी व्यंजन, वातानुकूलित गाड़ियों में सफर एवं साइट-सीइंग, ट्रैवल इंश्योरेंस के साथ आइ.आर.सी.टी.सी. टूर मैनेजर की सेवाएं शामिल हैं। डिवाइन ईस्ट टेम्पल टूर के बुकिंग के लिए आइ.आर.सी.टी.सी. के आनलाइन बुकिंग कर सकते है तथा अधिकृत टूरिज्म कार्यालयों से भी बुकिंग की जा सकती है। अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए, यात्री मोबाइल नंबर 8287930299 (प्रफुल्ल), 8287930484 (सुभाश्री), 8287930032 (अभिषेक), 8595931047 (मोनिका) और 8882826357 (प्रणीत) पर संपर्क कर सकते हैं। यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिये दिल्ली सफदरगंज, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ स्टेशन निर्धारित किये गये हैं।

रजत पदक के साथ सुश्री बी. एन. उषा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक संसाधनों एवं प्रशिक्षणों के फलस्वरूप

पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, गाजियाबाद में 05 से 07 फरवरी, 2026 तक आयोजित सीनियर नेशनल वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2025-26 में सुश्री बी. एन. उषा ने रजत पदक जीता। सुश्री बी. एन. उषा ने कुल 206 किग्रा. भार उठाया। सुश्री बी. एन. उषा की इस उपलब्धि पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री बिजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

निषाद पार्टी के कार्यकताओं ने निषाद समाज को अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग उठाई

बांगरमऊ उन्नाव। प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के नेतृत्व वाली निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद पार्टी) के दर्जनों कार्यकर्ता सोमवार को झंडा, बैनर और पोस्टर लेकर तहसील परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने जोरदार प्रदर्शन करते हुए निषाद समाज को पिछड़े वर्ग की सूची से हटाकर अनुसूचित जाति की श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि निषाद समाज लंबे समय से सामाजिक और आर्थिक शोषण का शिकार रहा है, इसके बावजूद उसे उसका संवैधानिक अधिकार नहीं मिल पा रहा है। कार्यकताओं ने भारत सरकार के महा रजिस्ट्रार एवं आयुक्त कार्यालय का हवाला देते हुए बताया कि दिनांक 16 जून 2025 को जारी आदेश तथा 8 जनवरी 2022 के शासनादेश के अनुसार मांझी, केवट, मल्लाह आदि जातियों के संबंध में पारित आदेश का अनुपालन पूरे प्रदेश में सुनिश्चित किया

जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1994 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या -4, सन 1994) की धारा 13 के अंतर्गत राज्यपाल द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची -1 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन के तहत निषाद, केवट, मल्लाह, कश्यप, कहार, ढीमर, बिंद, बाथम, तुरैहा, गोंड़िया, मछुआरा आदि जातियों को पिछड़े वर्ग की सूची से हटाकर नई संशोधित सूची जारी करने का आदेश दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शासनादेश और संशोधित अधिसूचना जारी होने के बावजूद जनपद और तहसील स्तर पर इसका पालन नहीं किया जा रहा है। विशेष रूप से तहसील कार्यालय द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से इन जातियों के लोगों को पिछड़े वर्ग का प्रमाण पत्र जारी किया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। कार्यकताओं ने तहसील प्रशासन से मांग की कि शासनादेश का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए और नियम विरुद्ध जारी किए जा रहे प्रमाण पत्रों पर तत्काल रोक लगाई जाए। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन तहसील प्रशासन को सौंपा और शीघ्र कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

कम्पनी का डेटा चोरी कर की लाखों की ठगी, मामला उजागर होने पर दी झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी

उन्नाव। लखनऊ व मुंबई में कार्यरत कंपनी कलर पेपर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में कर्मचारी द्वारा धोखाधड़ी, विश्वासघात, गोपनीय डेटा की चोरी, कंपनी संपत्ति के दुरुपयोग और समानांतर प्रतिस्पर्धी व्यवसाय चलाने का कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर व ब्रांच मैनेजर ने युवक पर लगाया आरोप। कंपनी के अनुसार, अजीत कुमार सिंह (पूर्व में अजीत कुमार यादव), पुत्र अशोक कुमार यादव, निवासी गौरा कला कनिगांव, जनपद उन्नाव वर्ष 2019 से कंपनी के घर / प्रिमाइसेज में रहकर नियमित वेतन प्राप्त कर रहा था, और इसी दौरान उसे कंपनी के गोपनीय व्यावसायिक रिकॉर्ड, वेंडर नेटवर्क और आंतरिक प्रक्रियाओं तक पूर्ण पहुंच दी गई थी। कंपनी का आरोप है कि संबंधित कर्मचारी ने वर्क फ्रॉम होम का बहाना बनाकर दिल्ली स्थानांतरित होने के बाद, नौकरी में रहते हुए ही वर्ष 2023 से अपने रिश्तेदारों और कुछ कंपनी वेंडर्स के साथ मिलकर समान प्रकृति की एक प्रतिस्पर्धी कंपनी शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान कंपनी के गोपनीय डेटा, क्लाइंट वेंडर जानकारी और कार्यप्रणाली का दुरुपयोग किया गया, जिससे कंपनी को आर्थिक व्यावसायिक और प्रतिष्ठात्मक नुकसान पहुंचा। इसके अतिरिक्त, आरोप है कि कर्मचारी ने कंपनी की संपत्ति (लैपटॉप एवं चार्जर) अपने पास रखी और अधिकृत प्रक्रिया के बिना उसका उपयोग किया। मामला सामने आने के बाद कंपनी द्वारा संपर्क करने पर संबंधित व्यक्ति ई-मेल के माध्यम से सक्रिय पाया गया और कंपनी की संपत्ति लौटाने के संबंध में तत्काल उत्तर भी दिया, जिससे उसके लापता होने के दावे पर सवाल खड़े हो गये। कंपनी का यह भी कहना है कि मामले के उजागर होने के बाद दबाव बनाने और जांच को प्रभावित करने के उद्देश्य से काउंटर शिकायतें दर्ज कराई गई। कंपनी के अनुसार, जब उसके प्रतिनिधि आरोपी युवक के गांव पहुंचे, तो उन्होंने युवक के बारे में या उसके व्यवसाय के बारे पूछताछ की जिस पर आरोपी युवक के परिजन कंपनी के कर्मचारीयों के साथ भिड़ गये और उन्हें कई झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दे डाली। कर्मचारियों ने थाने में तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि आरोपी की मां द्वारा आसीवन थाना, उन्नाव में गलत तथ्यों के आधार पर शिकायत दी गई। इसके बाद आसीवन थाना, उन्नाव से कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि को थाने बुलाया गया, इसके बाद ही वे थाने पहुंचे। कर्मचारियों ने प्रार्थना पत्र में लिखा कि थाने पहुंचने पर उन्हें बिना किसी पूर्व लिखित नोटिस के लगभग तीन घंटे तक थाने में बैठाए रखा गया। कंपनी का आरोप है कि थाने में मौजूदगी के दौरान कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि से दो दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए जबकि पूरी प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। कंपनी का यह भी कहना है कि बाद में आरोपी कर्मचारी के पिता से यह कथन किया गया कि जितना करना था, उतना कर दिया गया है, जिससे पूरी कार्यवाही की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं।

विद्युतीकरण सहित इस दोहरीकरण रेल लाइन का निर्माण होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार निरन्तर किया जा रहा है। इसी क्रम में, ट्रेनों की गति बढ़ाने, संचलन समय में बचत करने एवं अतिरिक्त ट्रेनों के संलचन हेतु भटनी-औड़िहार (117 किमी.) खंड के विद्यतीकरण सहित दोहरीकरण कार्य रू. 1177.96 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। इस परियोजना को 08 चरणों में पूरा किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत कीड़िहरापुर-इन्दारा, सादात-औड़िहार, भटनी-पिवकोल, बेलथरा रोड-कीड़िहरापुर, दुल्लहपुर-सादात, मऊ-दुल्लहपुर खंडों सहित कुल 89.47 किमी. का कार्य पूरा हो चुका है। शेष पिवकोल से बेलथरा रोड (27.53 किमी.) खंड के दोहरीकरण का कार्य, जिसमें घाघरा नदी पर तुतीर्पार रेल पुल का निर्माण कार्य सम्मिलित है, तीव्र गति से चल रहा है। यह दोहरीकरण परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश में देवरिया, बलिया, मऊ एवं गाजीपुर जनपदों में अवस्थित है। पिवकोल-बेलथरा रोड (27.53 किमी.) खंड के दोहरीकरण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। इस खंड के अंतर्गत 01 महत्वपूर्ण रेल पुल सहित 02 बड़े एवं 24 छोटे पुलों का कार्य सम्मिलित है, जिसमें 02 बड़े एवं 23 छोटे पुलों का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त घाघरा नदी पर बन रहे महत्वपूर्ण पुल संख्या 31 का कार्य अंतिम चरण में हैं। पिवकोल-बेलथरा रोड 27.53 किमी. खंड का दोहरीकरण कार्य पूरा हो जाने पर गोरखपुर से वाराणसी तक पूरा रेलखंड दोहरीकृत हो जायेगा। भटनी-औड़िहार खंड के दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने से लाइन क्षमता में सुधार होगा तथा इस खंड पर जन आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक ट्रेनों का संचलन हो सकेगा। भटनी से औड़िहार तक दोहरीकरण हो जाने से यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आयेगी। क्षेत्र में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी तथा क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ेगा। विद्युतीकरण सहित इस दोहरीकरण रेल लाइन का निर्माण होने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

जलवायु परिवर्तन से प्रवासी पक्षियों के प्रवास पैटर्न में बदलाव – भूगोल विभाग डीएसएन कॉलेज

उन्नाव। डीएसएन (पीजी) कॉलेज उन्नाव के भूगोल विभाग के बीए और एमए छात्रों ने वन क्षेत्राधिकारी विवेक सिंह तथा अभयारण्य अधिकारियों के साथ मिलकर शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी अभयारण्य (पूर्व नामः नवाबगंज पक्षी अभयारण्य) में एक क्षेत्रीय अध्ययन किया। इस अध्ययन के दौरान प्रवासी पक्षियों की गिनती की गई तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का विश्लेषण किया गया। छात्रों ने पाया कि पश्चिमी विक्षोभ की देरी से सर्दियां विलंबित हो रही हैं, जिससे पक्षियों का आगमन देर से हो रहा है और उनका ठहराव कम हो रहा है। अभयारण्य, जो 224.6 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, उत्तरी भारत की प्रमुख आर्द्रभूमियों में से एक है। यहां प्रतिवर्ष 250 से अधिक प्रजातियों के प्रवासी पक्षी सीआईएस देशों, तिब्बत, चीन, यूरोप और साइबेरिया से हजारों किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचते हैं। प्रमुख प्रवासी पक्षियों में ग्रेलाग गूज, पिनटेल, रेड-क्रेस्टेड पोचार्ड, गैडवाल, शॉवेलर, कूट और मलार्ड शामिल हैं। स्थानीय पक्षियों में सारस क्रेन, पेंटेड स्टॉर्क, पीफाउल, व्हाइट आईबिस, डैबचिक, व्हिसलिंग टीएल, ओपन-बिल स्टॉर्क, व्हाइट-नेक्ड स्टॉर्क, फीजेंट-टेल्ड जैकाना, ब्रॉन्ज-विंग्ड जैकाना, पर्पल मूरहेन, लैपविंग, टर्न, वल्चर, पिजन, किंग क्रो, इंडियन रोलर और बी-ईटर आदि पाए जाते हैं। छात्रों ने वॉच टावर, साइकिल ट्रैक और व्याख्यान कक्ष का उपयोग करके पक्षियों का अवलोकन किया तथा खतरे में पड़ी प्रजातियों जैसे वूली-नेक्ड स्टॉर्क, लेसर एडजुटेंट और सारस क्रेन की गिनती की। अध्ययन के दौरान छात्रों ने जलवायु परिवर्तन के प्रमुख प्रभावों का विश्लेषण किया। फॉरेस्ट रेंजर विवेक सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की देरी से सर्दियां

2-4 सप्ताह विलंबित हो रही हैं, जिससे पक्षी नवंबर के बजाय जनवरी में पहुंच रहे हैं और उनका ठहराव मात्र दो महीनों तक सीमित हो गया है। 1990 के दशक से प्रवास पैटर्न में बदलाव देखा जा रहा है, जहां पक्षी अपने पारंपरिक मार्गों से विचलित होकर हिमाचल प्रदेश या राजस्थान की ओर रुख कर रहे हैं। फेनोलॉजिकल मिसमैच से पक्षी भोजन की उपलब्धता से चूक रहे हैं, जिससे उनकी उत्तरजीविता प्रभावित हो रही है। अन्य प्रभावों में चरम मौसम की घटनाएं जैसे तूफान, सूखा और हीटवेव्स शामिल हैं, जो मृत्यु दर बढ़ा रही हैं। बढ़ती रोशनी, पर्यावरणीय क्षरण और प्रदूषण यात्रा को जटिल बना रहे हैं। भारत में 66-73 प्रतिशत पक्षी प्रजातियां उत्तर की ओर स्थानांतरित हो रही हैं, जबकि 58-59 प्रतिशत अपनी रेंज में बदलाव का सामना कर रही हैं। बढ़ते तापमान से पक्षियों का आकार छोटा हो रहा है और प्रजनन अवधि में परिवर्तन हो रहा है। शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव से तापमान 1-3 डिग्री अधिक होने से पक्षी भ्रमित हो रहे हैं। इन बदलावों से पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है, क्योंकि पक्षी बीज वितरण, कीट नियंत्रण और पोषक चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भूगोल विभाग के प्रमुख डॉक्टर अनिल साहू ने कहा, ऱ्यह क्षेत्रीय अध्ययन छात्रों को जलवायु परिवर्तन के व्यावहारिक प्रभावों को समझने के लिए कराया गया। पश्चिमी विक्षोभ की देरी से प्रवासी पक्षियों के पैटर्न में बदलाव जैव विविधता को खतरे में डाल रहा है। हम ऐसे अध्ययनों को प्रोत्साहित करेंगे ताकि संरक्षण नीतियों में योगदान दिया जा सके। फॉरेस्ट रेंजर विवेक सिंह ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, अभयारण्य में प्रवासी पक्षियों के प्रवास पैटर्न में बदलाव चिंताजनक है। जलवायु परिवर्तन के कारण पश्चिमी विक्षोभ की देरी और मौसम की अनियमितता से पक्षी अपने पारंपरिक मार्गों से विचलित हो रहे हैं। हम संरक्षण प्रयासों को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन वैश्विक जलवायु कार्रवाई आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

छेड़छाड़ का विरोध करने पर मनचलों ने किशोरी के भाई को पीटा

बांगरमऊ उन्नाव। नगर में मनचलों की दबंगई का एक मामला सामने आया है। मनचले ट्यूशन पढ़ने जा रही किशोरी के साथ आए दिन छेड़छाड़ कर रहे थे। जब इस बात की जानकारी किशोरी के भाई को हुई तो उसने मनचलों का विरोध किया। विरोध करने पर मनचलों ने उसे लाठी-डंडों से पीट दिया। किशोरी की मां ने घटना की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में पीड़िता की मां ने कहा है कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री पढ़ने जाती है। रास्ते में मोहल्ला मुकरियाना निवासी एक युवक किशोरी के साथ छेड़छाड़ करता है। किशोरी के भाई ने जब इसका विरोध किया तो उस युवक व उसके साथियों ने उसे लाठी डंडों से पीट दिया। हमले में किशोरी का भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि पीड़िता और घायल युवक के बयान दर्ज कर लिए गए हैं तथा आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। कोतवाल ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

माँ की हत्या करने वाला पुत्र गिरफ्तार, हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद

उन्नाव। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गंगा घाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अपनी ही मां की हत्या करने वाले पुत्र को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लोहे की

रॉड बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को थाना गंगा घाट पर वादी राजेश कुमार पुत्र स्व. राम कुमार निवासी ग्राम कंजा खेड़ा, मोहल्ला पीपरखेड़ा, थाना गंगा घाट, जनपद उन्नाव द्वारा तहरीर दी गई। तहरीर में बताया गया कि उसके भाई राजन उर्फ कल्लू पुत्र स्व. राम कुमार उम्र करीब 30 वर्ष ने उसकी माँ शांति के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना के संबंध में थाना गंगा घाट पर मुकदमा अपराध 59/2026 धारा 103(1) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस कार्रवाई के तहत शनिवार को थाना गंगा घाट पुलिस द्वारा अभियुक्त राजन उर्फ कल्लू को आजाद मार्ग स्थित बाबा कुटी के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अदद लोहे की रॉड (आला-ए-कत्ल) बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने फरवरी माह में वैवाहिक कार्यक्रमों में 46 बहनों की शादी में किया कन्यादान

बीघापुर उन्नाव। राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों को लेकर किए जा रहे कार्य लगातार जन-जन तक उम्मीद और संबल पहुंचा रहे हैं। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में बेटियों के विवाह संस्कार में कन्यादान कर सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान

की जा चुकी है।शुक्रवार को क्षेत्र के इंदेमऊ, ओसिंया, धानी खेड़ा, बाजपेयी खेड़ा, अनुई खेड़ा, बदरका, सुपासी, गंगा सेवक खेड़ा, सथनीबाला खेड़ा, महरामऊ, पाण्डेपुर, संतनगर, बदिया खेड़ा, भगवंतनगर, पिथई खेड़ा, जपसरा, लखमदे मऊ, जालिम गंज, खरौली, मंडपहा, भईया खेड़ा, चैनपुर, गौरा, कोरारी, अमरसस आदि गांवों में पुष्पेंद्र प्रताप सिंह की पुष्प फाउंडेशन की टीम ने वैवाहिक घरों में पहुंचकर कन्यादान किया और परिवारों को सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर टीम ने वर-वधू को सुखद वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।कन्यादान प्राप्त करने वाले परिवारों ने पुष्प फाउंडेशन के इस मानवीय प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना की और कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सहयोग किसी संजीवनी से कम नहीं है। इस सामाजिक सेवा कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष के पिताजी तेज बहादुर सिंह, मैनेजर सिंह, कमलेश यादव, पंकज सिंह बाबा, रामजी यादव, दीपक राजावत, राघवेंद्र सिंह, आशू सिंह सहित फाउंडेशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए आगे भी निरंतर सेवा करते रहने का संकल्प दोहराया। पुष्प फाउंडेशन का यह प्रयास क्षेत्र में सामाजिक समरसता और बेटियों के सम्मान को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नंदन वन सभागार में चार दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम घर बने मंदिर के प्रथम उद्घाटन सत्र का हुआ शुभारंभ

उन्नाव। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नंदन वन सभागार में चार दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम घर बने मंदिर के प्रथम उद्घाटन सत्र का शुभारंभ अनुराग मिश्रा जिला आबकारी अधिकारी, भानु मिश्रा प्रतिनिधि नगर पालिका, रवि प्रकाश उप कृषि निदेशक, के के पांडे, कमल तिवारी, राजेश शुक्ला, संजय मिश्रा, बी के मालती दीदी आदि की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन द्वारा हुआ। मुख्य वक्ता राजयोगिनी बीके डॉक्टर गीता दीदी ने प्रथम सत्र में भारत की संस्कृति एवं मूल्य विषय पर बोलते हुए कहा कि हमारे भारत की सनातन संस्कृति अक्षुण्ण और बेहद गौरवमई है। शायर इकबाल ने भी हमारे भारत देश के अतीत व प्राचीन संस्कृति की महिमा गाई है। उन्होंने लिखा है कि सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा तथा रोम, मिश्र, यूनानी संस्कृति मिट गई किंतु भारत की संस्कृति आज भी जीवित है।

यूपी पंचायत चुनाव को लेकर युद्धस्तर पर जुटें कार्यकर्ता: सतीश कुमार

लखनऊ,(संवाददाता)।लोक जन समाज पार्टी (भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश सरकार के द्वारा अभी तक त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बारे में ना ही कोई जानकारी अपडेट करने का कार्य किया है और इसी क्रम में प्रदेश के तमाम ऐसे पंचायत है जो कि अभी तक अपने पुरे वजट को ही खर्च कर पाए हैं। जबकि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर लोक जन समाज पार्टी (भारत) ने अभी पांच फरवरी को अपने केन्द्रीय कार्यालय लखनऊ में पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया था। और सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार चतुर्वेदी ने कहा था कि पुरे उत्तर प्रदेश में पार्टी पुरे दम खम से चुनाव लड़ेंगी। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हम लोग त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में चालीस प्रतिशत महिलाओं को चुनाव मैदान में प्रत्याशी बनाएंगे। और चुनावी रणनीति के तहत सभी पदाधिकारियों को जी जान से लग कर आम जनमानस तक पार्टी के नितियों को पहुंचाने का कार्य करें। ताकि जिले के सबसे बड़े पद जिला पंचायत अध्यक्ष और जिला पंचायत के कमेटी में हर जगह सिर्फ और सिर्फ लोक जन समाज पार्टी (भारत) के कार्यकताओं का ही सहभागिता दिखाई दें।

आरक्षक को कार से घसीटने वाले को 3 वर्ष की सजा

■ ग्वालियर

सिटी सेंटर क्षेत्र में तीन साल पहले स्वास्थ्य केंद्र से राजमाता चौराहा तक अपनी कार आरक्षक पर चढ़ाने और घसीटने के आरोपी प्रदीप गुर्जर को न्यायालय ने तीन वर्ष के कारावास एवं 5 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। शासकीय अभिभाषक विजय शर्मा ने बताया कि घटना 19 दिसंबर 2022 को दोपहर 2 बजे की है जब स्वास्थ्य केंद्र सिटी सेंटर पर आरक्षक नीरज शर्मा ड्यूटी पर थे तभी बिना नंबर की वैन्यू कार से आए प्रदीप गुर्जर ने उनके ऊपर कार चढ़ा दी जिसके बाद वह बोनट से लटक गए, इसके बाद भी कार को न रोकते हुए स्पीड बढ़ाकर दाएं-बाएं लहराकर चलाते हुए राजमाता चौराहे तक जा पहुंचा। यहां लाल बत्ती के कारण स्थान नहीं मिलने पर गाड़ी रुक गई, पीछे से आए पुलिस अधिकारी जीपी रायपुरिया ने लोगों के साथ मिलकर नीरज को बचाया। आरक्षक की सीने और चेहरे पर मूंदी चोटें आईं। प्रदीप गुर्जर को पकड़े जाने पर उसने अपनी कार का नंबर एमपी07 सीएल 1246 बताया। मौके पर उसका 6 हजार का चालान काटा गया, बाद में आरक्षक नीरज शर्मा की लिखित शिकायत पर 20 दिसंबर प्रदीप गुर्जर पुत्र किलेदार गुर्जर निवासी रिठौरा, मुरैना के खिलाफ धारा 308 एवं 353 के तहत मामला दर्ज किया गया। अभियोजन पत्र पेश होने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर ने आरोपी प्रदीप गुर्जर को दोषसिद्ध ठहराते हुए 3 वर्ष के कारावास एवं 5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।

भवन तोड़ने पर पाल को राहत

ग्वालियर। नगर निगम के वार्ड क्रमांक 53 डब्बू की दरगाह के पास लक्कड़खाना में महेश पाल पुत्र गोपाल पाल के 150 फीट के मकान को लेकर नगर निगम द्वारा नोटिस जारी किया गया था। पाल द्वारा नोटिस के खिलाफ न्यायालय में वाद दायर कर राहत की मांग की गई। उनका तर्क था कि यह मकान उनके बाबा स्व. भागीरथ कारीगर ने 9 फरवरी 2023 को लिखित वसीयत के जरिए दिया था। इसके बाद उनकी 24 मार्च 1994 को मृत्यु हो गई। लेकिन चाचा किशन पाल एवं उनके पुत्र आनंद, देवेंद्र एवं दिनेश पाल रंजिशन इस मकान पर कब्जा करने के लिए लड़ाई झगड़ा करने लगे। उनके द्वारा नगर निगम अधिकारियों से सांठगांठ कर बिना अनुमति भवन निर्माण का धारा 294 का सूचना पत्र जारी करा दिया गया। 16वें व्यवहार न्यायाधीश शिवकांत कुशवाहा के न्यायालय ने महेश पाल के आवेदन को स्वीकार कर नगर निगम को हस्तक्षेप नहीं करने के आदेश दिए हैं। इस मामले में पाल की ओर से पैरवी विजय शर्मा एडवोकेट एवं नगर निगम का पक्ष सुरेंद्र सिंह परिहार ने रखा।

तहसीलदार ने दिया जवाब तो पक्षकार को मिला स्थगन

ग्वालियर। ग्राम महलगांव की जमीन को लेकर राज्य शासन एवं निजी पक्षकार में चले विवाद में नायाब तहसीलदार ने स्वयं न्यायालय में जवाब पेश कर बहस की, लेकिन वह मजबूती से शासन का पक्ष नहीं रख सके इसलिए न्यायालय ने स्थगन आदेश जारी किए हैं। यह मामला महलगांव के सर्वे क्रमांक 1435 से जुड़े 1200 फीट भवन और भूखंड से जुड़ा हुआ है। वादी सरस्वती भार्गव पत्नी गजेन्द्र भार्गव ने द्वादशम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड ग्वालियर रूपल गुप्ता के न्यायालय में स्थगन आदेश के लिए वाद दायर किया। जिसमें कहा गया कि उनका 40 गुणा 15 यानी 600 फीट का भवन क्रमांक 1682 क्षेत्रीय कार्यालय 13 वार्ड 59 में निर्माणाधीन है। यह भूखंड उन्होंने 28 अगस्त 1998 को रामश्रीबाई एवं सोनाबाई के मुख्तियार नाम पिंटू से रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से खरीदा था। उनकी जेठानी जयंती भार्गव ने भी 1 जनवरी 2008 को रजिस्ट्री कर कुछ हिस्सा बेचा। 15 मई 2008 को नजूल एनओसी मिली और 30 जनवरी 2009 को नगर निगम आयुक्त ने भवन अनुज्ञा दी। लेकिन राजस्व अधिकारी इस भवन को शासकीय बताकर तुडाई करना चाहते हैं। न्यायालय में सुनवाई के दौरान नायब तहसीलदार शिवदत्त कटारे स्वयं उपस्थित हुए और लिखित जवाब पेशकर बहस की। कायदे से इस न्यायालय में अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक घनश्याम मंगल को पक्ष रखना चाहिए था, लेकिन तहसीलदार ने ऐसा नहीं होने दिया। न्यायालय ने सुविधा का संतुलन की बात कहकर वादी के पक्ष में स्थगन आदेश दिए हैं। इस मामले में अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक घनश्याम मंगल का कहना है कि कायदे से लिखित जवाब मुझे बनाना था, लेकिन नायब तहसीलदार शिवदत्त कटारे ने मुझसे कोई चर्चा नहीं की, बल्कि खुद जवाब बनाकर लाए। जिससे शासन का पक्ष मजबूती से नहीं रखा जा सका।

होटलों में फाइव स्टार रेटिंग के बहाने छात्र से 3.73 लाख हड़पे

■ ग्वालियर

फाइव स्टार होटलों में रेटिंग और बदले में कमीशन मिलने का झांसा देकर शातिर ठगों ने छात्र से 3.73 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। ठगी के शिकार छात्र को टॉस्क पूरा करने के बाद रकम वापस करने के लिए ठगों ने लाखों रुपए जमा करा लिए। ठगी का एहसास होने पर फरियादी थाने पहुंचा और पुलिस को आपबीती सुनाई। मुरार थाना क्षेत्र स्थित आदर्श गौशाला लालटिपारा निवासी अमन पुत्र सीताराम कुशवाह 20 वर्ष बीकॉम द्वितीय वर्ष का छात्र है। 2 जनवरी को अमन के टेलीग्राम एप पर आसमा खान आईडी से एक मैसेज आया जिसमें होटलों को फाइव स्टार रेटिंग देनी होगी, जिसके बदल कुछ रुपए मिलेंगे। बीच-बीच में कुछ टॉस्क आएंगे उनको पूरा करने पर कुछ रुपए देने होंगे। अमन ठग के झांसे में आ गया और उसने होटल की रेटिंग देने पर 700 रुपए के बदले 910 रुपए मिले। कमीशन मिलने पर अमन को ठग टॉस्क देते रहे और बदले में कमीशन सहित रकम लौटाने लगे। जब अमन उनके चुंगल में आ गया तो ठगों ने 2 हजार रुपए का टॉस्क पूरा करने पर बदले में 3 हजार नौ सौ रुपए मिलना था। कमीशन की रकम देने के बदले 5 हजार रुपए मांगे। अमन को ठग जैसा जैसा कहते गए वह ठगों के खाते में रकम जमा कराता गया। छात्र ने ठगों को कभी दोस्त तो कभी बहन तो कभी पिता के खाते से 3 लाख 73 हजार रुपए भेजे लेकिन उन्हें पुलिस को ठगी के बारे में बताया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पति व बच्चों का उठाने की धमकी देकर 4.55 लाख ठगे

ग्वालियर। झांसी रोड थाना क्षेत्र में एक महिला को दस लाख रुपए का डॉलर देने का लालच देकर रुपयों की मांग की गई। नहीं देने पर बच्चों व पति को उठवाने की धमकी देकर साढ़े चार लाख रुपए अलग-अलग खातों में जमा करा लिए। ठगी की शिकार पीड़िता ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया। नाकाचन्द्रबदनी पुरबियों का मौहल्ला निवासी गीता पत्नी मनोज शाक्य 35 वर्ष के मोबाइल पर तीन अलग-अलग नम्बरों से फोन आए और दस लाख डॉलर देने का लालच देकर रुपयों की मांग की। महिला को ठग ने धमकी दी कि रुपए नहीं दिए तो वह उनके पति व बच्चों को उठवा लेंगे। महिला धमकी से घबरा गई और ठगों के अलग-अलग खातों में 4.55 लाख रुपए जमा करा लिए। महिला ने ठगों के खातों में रकम ऑनलाइन की दुकान पर जाकर जमा कराई थी। गीता शाक्य ने पुलिस को बताया कि वह बुरी तरह घबरा गई थी जैसे-जैसे ठग कहते गए वह रकम उनको भेजती गई।

विद्यार्थियों को बजट की जानकारी होना चाहिए

ग्वालियर। शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता कार्यशाला एवं माय भारत बजट क्विज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार श्रोती ,भारत सरकार, उपकार्यक्रम सलाहकार ,क्षेत्रीय निदेशक (मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़) ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को बजट 2026 की जानकारी होना चाहिए और उनको अच्छे से अच्छे सुझाव भी प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ प्रतियोगिता युवाओं को नीतियों के मामले में सहभागी करने का प्रयास कर रही हैं। कई विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद का अवसर भी प्राप्त होगा।

नवग्रह शक्तिपीठ प्राणप्रतिष्ठा : अंतिम चरण में शुभारंभ की तैयारियां

अधिकारियों ने पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के साथ किया स्थलीय निरीक्षण

■ ग्वालियर

जिले के डबरा में नव निर्मित नवग्रह शक्तिपीठ मंदिर के शुभारंभ को लेकर प्रशासनिक और सुरक्षा तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 10 फरवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ मंदिर का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर जिलाधीश रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की विशेष उपस्थिति में डबरा पहुंचकर मंदिर परिसर एवं आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया।

जिलाधीश ने श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए मूलभूत सुविधाओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई एवं प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं हर स्तर पर सुनिश्चित की जाएं। साथ ही पार्किंग स्थलों पर भी पर्याप्त संकेतक एवं पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। उन्होंने यातायात प्रबंधन, पार्किंग नियंत्रण एवं आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। हैलीपेड व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए एसएसपी ने सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शुभारंभ अवसर पर आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों, कलश यात्रा एवं अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि यह शक्तिपीठ न केवल डबरा बल्कि पूरे अंचल के लिए आस्था का बड़ा केंद्र बनेगा। आयोजन को सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने में प्रशासन की भूमिका सराहनीय है। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष ग्रामीण कौशल शर्मा, वीरेन्द्र जैन, नितिन आनंद वशिष्ठ, विवेक मिश्रा, सुकर्ण मिश्रा, मुकेश परिहार, बंटी गौतम सहित अन्य मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष फोकस

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं एसएसपी ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

बेटिकट यात्रियों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के मार्गदर्शन में रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया गया। सहायक वाणिज्य प्रबंधक आरके वर्मा के नेतृत्व में 6 स्टेशन से गुजरने वाली लगभग 30 ट्रेनों की जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक किए लगेज ले जाने, गंदगी फैलाने और धूम्रपान करने वालों की सघन जांच की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 79 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे रेलवे नियमों के उल्लंघन पर 35,255 रुपए का जुर्माना वसूला गया। अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक ग्वालियर राजीव शर्मा सहित टिकट जांच स्टाफ उमंग राजावत, आजेंद्र कुमार, रविंद्र जाटव, रामकेश और मनोज कांवट की अहम भूमिका रही।

बिरला नगर स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय महिला यात्री घायल

ग्वालियर। बिरला नगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर एक महिला यात्री ट्रेन से उतरते समय गिरकर घायल हो गई। घटना झांसी-आगरा कैंट एक्सप्रेस के आने के दौरान हुई। यात्रियों से मिली सूचना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। घायल महिला की पहचान 55 वर्षीय विमला देवी, निवासी इटावा के रूप में हुई है। गिरने से उन्हें पैर और कमर में हल्की चोट आई, जिसके कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गईं। ड्यूटी पर तैनात आरक्षक राकेश गौतम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर महिला को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई। घटना के समय महिला के साथ उनके रिश्तेदार रविंद्र सिंह कुशवाहा (नंदेऊ) और शिवम (भानजा) भी मौजूद थे। घायल महिला को उनके परिजन स्वेच्छा से निजी वाहन द्वारा ब्राह्मणी हॉस्पिटल ले गए, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है।

घूसखोर पंडत फिल्म बंद नहीं की तो होगा उग्र आंदोलन

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के सदस्यों ने तय किया कि घूसखोर पंडित फिल्म को बंद नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर समिति के सदस्यों ने कहा कि देश के अंदर कुछ ताकतें लगातार जातिवाद पर लड़ाने का कार्य कर रही हैं। घूसखोर पंडित के निर्माता पर अपराध कायम होना चाहिए और शीघ्र फिल्म को बंद कर देना चाहिए। इस मौके पर विरोध पट्टिकाएं लेकर प्रदर्शन भी किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. जयवीर भारद्वाज ने की। इस अवसर पर डॉ. मुन्नालाल शर्मा, ब्रह्मदत्त शास्त्री, चंद्रशेखर दंडवते, शिव कुमार, योगेंद्र दीक्षित, राजू पंडित आदि उपस्थित रहे।

आउटसोर्स कर्मचारियों की चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन

■ ग्वालियर

मध्यप्रदेश ठेका इंटक स्वास्थ्य संघ ने आउटसोर्स कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर सुरेश बरादिया को ज्ञापन सौंपा। प्रदेश महामंत्री विश्वेश्वर गोस्वामी ने बताया कि ज्ञापन में चार सूत्रीय मांगें शामिल हैं। संघ ने मांग की कि आउटसोर्स कर्मचारियों को प्रत्येक माह की एक से पांच तारीख के बीच कलेक्टर दर से वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा ईपीएफ और ईएसआई की राशि समय पर जमा की जाए। इसके साथ ही श्रम आयुक्त इंदौर द्वारा 1 अप्रैल 2024 से लागू पुनरीक्षित वेतन वृद्धि के अनुसार 11 माह की बकाया एरियर राशि का शीघ्र भुगतान किए जाने की मांग रखी गई। गोस्वामी ने बताया कि मध्यप्रदेश के कई जिलों में एनआरसी में कार्यरत कुक, केयर टेकर और सफाई कर्मियों को बजट के अभाव में चार से पांच माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। संघ ने उत्तरप्रदेश की तर्ज पर नियमित आयोग गठित करने और वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित रिक्त पदों पर समायोजित करने की मांग भी की। ज्ञापन के समय अरुण मांझी, देवेंद्र करोरिया, कल्पना कुशवाह, रितेश सिंह, नरेश कटारे, सुनीता पाठक, संजय शर्मा, वीरू कुशवाह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीवाजी विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन मैनेजमेंट द्वारा समकालीन प्रबंधन के लिए सतत व्यावसायिक प्रथाएं नवाचारी समाधानों की खोज विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 7 एवं 8 फरवरी को किया जा रहा है। यह संगोष्ठी पीएम-उषा के अंतर्गत आयोजित होगी। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का आयोजन 7 फरवरी को सुबह 11 बजे गालव सभागार में किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कुलगुरू, इग्नू नई दिल्ली प्रो.नागेश्वर राव होंगे। अध्यक्षता जीवाजी विवि के कुलगुरू डॉ.राजकुमार आचार्य करेंगे। जबकि मुख्य वक्ता के रूप में आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो.योगेश उपाध्याय अपने विचार रखेंगे। वहीं संगोष्ठी का समापन सत्र 8 फरवरी को दोपहर 12 :30 बजे से होगा।

एनसीसी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम

व्हीआईएसएम में एनसीसी सीनियर कैडेट्स का फेयरवेल समारोह आयोजित

■ ग्वालियर

व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज के अंतर्गत एनसीसी विंग 15 एमपी बटालियन (बालक एवं बालिका कैडेट्स) के सीनियर कैडेट्स के सम्मान में फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर कैडेट्स द्वारा नृत्य, गीत, समूह प्रस्तुतियां एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रैम्प वॉक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसमें बालक एवं बालिका कैडेट्स ने आत्मविश्वास के साथ भाग लिया।

इस अवसर पर सीनियर कैडेट्स ने मंच से अपने एनसीसी अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, टीमवर्क एवं राष्ट्रसेवा की भावना सीखने का अवसर मिला। उन्होंने जूनियर कैडेट्स को प्रेरित करते हुए एनसीसी को जीवन निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है और कैडेट्स ने संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं सामूहिक फोटो सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर चेयरपर्सन सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, हवलदार खूंजम तांगजंग सहित अन्य उपस्थित रहे।

महिला का गहनों से भरा पर्स चोरी

ग्वालियर। बस से उतरने के बाद ई-रिक्शा से घर लौट रही महिला का चोरों ने पर्स चोरी कर लिया। पर्स में सोने के गहने रुखे हुए थे। चोरी का पता चलने पर पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। चोरी का संदेह दो महिलाओं पर जताया है बहोड़ापुर आनंद नगर निवासी अनीता पत्नी वृंदावन राय 56 वर्ष 4 जनवरी को शिवपुरी से ग्वालियर बस में सवार होकर आई थीं। शाम सवा पांच बजे के करीब नाकाचन्द्रबदनी पर बस से उतरने के बाद महिला महाराज बाड़े पर जाने के लिए ई-रिक्शा में सवार हो गई थीं। बाड़े से उन्होंने घर जाने के लिए ऑटो किया। जब अनीता राय घर पहुंची और घर का ताला खोलने के लिए बैग से चाबी निकाली तो उनके होश उड़ गए। बैग में रखा छोटा पर्स गायब था जिसमें मंगलसूत्र कानों के टॉप्स रखे हुए थे। पर्स चोरी होने का पता चलने पर वह थाने पहुंची। महिला जब नाका चन्द्रबदनी से ई-रिक्शा में सवार हुई थी उसमें दो महिलाएं भी बैठी हुई थीं। संभवत उन्होंने ने पर्स को चोरी किया है। झांसी रोड थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

एनसीसी विद्यार्थियों के विकास का माध्यम

■ ग्वालियर

व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज के अंतर्गत एनसीसी विंग 15 एमपी बटालियन (बालक एवं बालिका कैडेट्स) के सीनियर कैडेट्स के सम्मान में फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर कैडेट्स द्वारा नृत्य, गीत, समूह प्रस्तुतियां एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। रैम्प वॉक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसमें बालक एवं बालिका कैडेट्स ने आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। इस अवसर पर सीनियर कैडेट्स ने मंच से अपने एनसीसी अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, टीमवर्क एवं राष्ट्रसेवा की भावना सीखने का अवसर मिला। उन्होंने जूनियर कैडेट्स को प्रेरित करते हुए एनसीसी को जीवन निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

जयारोग्य में वार्षिक उत्सव एवं खेल सप्ताह का समापन

■ ग्वालियर

शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय जयारोग्य में वार्षिक उत्सव एवं खेल सप्ताह का समापन समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम में शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. धाकड़ ने अपने संबोधन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और विद्यार्थियों में अनुशासन एवं टीम भावना का विकास करते हैं। समारोह के अंत में खेल सप्ताह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती अंजू, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य अर्चना जोशी, एसएनए एडवाइजर पुष्पा राय सहित समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माफिया का बड़ा खेल नाकाम, 65 लाख की अवैध शराब जब्त

ट्रक पलटाकर लूट दिखाने की थी साजिश

■ ग्वालियर

जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। संभागीय आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त राकेश कुर्मी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत करीब 65.30 लाख रुपए की अवैध देशी मसाला मदिरा जब्त की गई है। इस कार्रवाई में शराब माफिया की वह साजिश भी बेनकाब हो गई, जिसमें ट्रक पलटाकर लूट की झूठी कहानी रचने की योजना बनाई गई थी।

आबकारी विभाग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 2 फरवरी की रात करीब 11:50 बजे वृत्त आंतरिक क्षेत्र अंतर्गत रायरू के ग्राम बीलपुरा में उदयभान उर्फ सोनू यादव के पशुबाड़े पर दबिश दी गई। यहां भूसे के ढेर में छिपाकर रखी गई 30 पेटी देशी मसाला मदिरा बरामद की गई। जांच में सामने आया कि यह मदिरा जबलपुर जिले के लिए तैयार की गई थी, लेकिन इसे अवैध रूप से ग्वालियर में उतार दिया गया। जांच में पता चला कि 31 जनवरी को रायरू डिस्टिलरी से एक ट्रक जबलपुर देशी वेयर हाउस के लिए रवाना हुआ था। इसी ट्रक के मालिक ने अपने रिश्तेदार के घर पर ग्वालियर में करीब 400 पेटी शराब उतार दी। इसके बाद शराब को अलग-अलग स्थानों पर खपाने की तैयारी की जा रही थी।

सागर में ट्रक पकड़ा गया, 976 पेटी और जब्त

जांच को आगे बढ़ाते हुए आबकारी टीम ने सागर जिले के हीरापुर तहसील बंडा में ट्रक एमपी 07 एमए 5050 को रोका। तलाशी में ट्रक से 976 पेटी देशी मसाला मदिरा बरामद की गई। पूछताछ में सामने आया कि यह ट्रक ग्वालियर से 2000 पेटी मसाला शराब लेकर निकला था। ट्रक मालिक और ड्राइवर की योजना थी कि रास्ते में ट्रक को पलटाकर लूट की फर्जी घटना दर्शाई जाए, ताकि अवैध शराब को ठिकाने लगाया जा सके। लेकिन आबकारी विभाग की सतर्कता से यह साजिश समय रहते नाकाम कर दी गई।

दो आरोपी गिरफ्तार

कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क एवं 34 (2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जब्त की गई कुल 906 पेटी देशी मसाला मदिरा सहित कुल सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 65 लाख 30 हजार रुपए आंका गया है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी उमेश स्वर्णकार, आनंद पाल सिंह मंडलोई, आरक्षक संजय भदौरिया, चन्द शेखर पावर, रवि बघेल, सुनील सिंह, रतन सिंह का योगदान रहा।

भारतीय परंपरा में संस्कृत का बताया महत्व, 100 विद्यार्थियों ने 5 विधाओं में किया प्रदर्शन, जीते पुरस्कार

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में शुक्रवार को 5 दिवसीय अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह का शुभारम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णा जैन, पूर्व प्राध्यापक केआरजी महाविद्यालय रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विष्णु नारायण तिवारी, उपाध्यक्ष, महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. मनीष खेमरिया, प्राचार्य, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि डॉ.उमंग सिंह तोमर संस्कृत विभागाध्यक्ष केआरजी महाविद्यालय और डॉ.ब्रह्मदेव आर्य, पूर्व संस्कृत शिक्षक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णा जैन ने भारतीय परंपरा में संस्कृत भाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला। सारस्वत अतिथि प्रो.मनीष खेमरिया ने भवभूति साहित्य की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रासंगिकता को रेखांकित किया। प्रतियोगिता में ग्वालियर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने पांच विधाओं में सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सस्वर श्लोक पाठ प्रतियोगिता में मंत्रिता शर्मा प्रथम, मिशिका राज द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में नियति गोयल प्रथम, परिधि अग्रवाल द्वितीय, अपर्णा सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में तृषा गोयल प्रथम, शौर्य सिंह द्वितीय, आराधना रावत, स्नेहा गुर्जर तृतीय स्थान पर रहीं। हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता में श्रुति चतुर्वेदी प्रथम, अवनि मित्तल द्वितीय स्थान पर रहीं। संस्कृत निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में युवराज ठाकुर प्रथम, मानवी द्वितीय, निशांत कुमार, अर्शिका सिंह जादौन तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. काजल सक्सेना ने एवं आभार डॉ. विकास शुक्ल ने व्यक्त किया।

संपादकीय

दिल्ली के लापता लोग

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थातद्द हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। मसलन यदि कोई बच्चा किसी कारणवश स्कूल से लौटने में देर कर दे, कोई व्यक्ति कुछ घंटों तक फोन संपर्क से कट जाए या कोई बुजुर्ग भटकने पर देर से घर पहुंचे तो लोग गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं। ये कथित गुमशुदा लोग कुछ समय बाद घर तो लौट आते हैं, लेकिन लोग पुलिस डेटा को अपडेट नहीं करते। फलस्वरूप पुलिस आंकड़ों में उनकी गुमशुदगी बनी रहती है। पुलिस का दावा है कि लापता लोगों को खोजने की दर में लगातार सुधार हो रहा है। साल 2016 में जो 23,409 लोग लापता हुए थे, उनमें से करीब 85 फीसदी नौ साल के भीतर मिल गए। साल 2025 में दर्ज मामलों में 63 फीसदी लोगों को भी एक साल के भीतर तलाश लिया गया। दलील है कि कई जटिल मामलों में तलाश का काम एक साल तक पूरा नहीं हो पाता। अन्य राज्यों में उनकी तलाश में समय लगता है। फिर भी पुलिस का दावा है कि दिल्ली के लापता लोगों की संख्या का आंकड़ा दुनिया के कई विकसित देशों से बेहतर स्थिति में है।

राकांपा के दोनों धड़ों में विलय हो जाएगा?

अजित पवार की मृत्यु के बाद, शरद पवार और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं ने दावा किया कि विलय की बातचीत अंतिम चरण में थी और दिवंगत उपमुख्यमंत्री ने राकांपा गुटों के विलय की घोषणा के लिए 12 फरवरी की तारीख तय की थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के माध्यम से एक जवाबी दावा सामने आया, जिन्होंने कहा कि अगर विलय की बातचीत सच में चल रही होती, तो अजित पवार ने इसके बारे में उनसे जानकारी सांझी की होती। दूसरी ओर, शरद पवार ने कहा, विलय पर चर्चा अजित पवार और जयंत पाटिल के बीच हुई थी। सी.एम. फडनवीस बातचीत में शामिल नहीं थे। उन्हें इस बारे में बात करने का क्या अधिकार था? यह पूछे जाने पर कि क्या अब विलय होगा, शरद पवार ने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता एक-दूसरे को समर्थन देना और बाद में तय करना है कि आगे कैसे बढना है।

नोरा चोपड़ा

राकांपा (एस.पी.) प्रमुख शरद पवार के बयानों से दोनों राकांपा गुटों के संभावित विलय में बाधाओं का संकेत मिलने के बाद, शरद पवार ने दिवंगत अजित पवार के बेटों के साथ एक बंद कमरे में बैठक की और बाद में उनके पति को श्रद्धांजलि देने के लिए बारामती में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के घर गए। सूत्रों के अनुसार, चर्चा दोनों राकांपा गुटों के विलय की संभावना और आगामी जिला परिषद चुनावों पर केंद्रित हो सकती थी। अजित पवार की मृत्यु के बाद, शरद पवार और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं ने दावा किया कि विलय की बातचीत अंतिम चरण में थी और दिवंगत उपमुख्यमंत्री ने राकांपा गुटों के विलय की घोषणा के लिए 12 फरवरी की तारीख तय की थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के माध्यम से एक जवाबी दावा सामने आया, जिन्होंने कहा कि अगर विलय की बातचीत सच में चल रही होती, तो अजित पवार ने इसके बारे में उनसे जानकारी सांझी की होती। दूसरी ओर, शरद पवार ने कहा, विलय पर चर्चा अजित पवार और जयंत पाटिल के बीच हुई थी। सी.एम. फडनवीस बातचीत में शामिल नहीं थे। उन्हें इस बारे में बात करने का क्या अधिकार था? यह पूछे जाने पर कि क्या अब विलय होगा, शरद पवार ने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता एक-दूसरे को समर्थन देना और बाद में तय करना है कि आगे कैसे बढना है। कांग्रेस ने प. बंगाल में माकपा के लिए दरवाजे बंद किए रू पश्चिम बंगाल में हाई-स्टेक विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयारी है क्योंकि कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में चुनावी समझ के लिए माकपा हेतु अपने दरवाजे बंद कर दिए हैं, आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 294 सीटों पर चुनाव लडने का फैसला किया है,

यह कहते हुए कि वामपंथी पार्टी के साथ सहयोग करने के पिछले अनुभव ने कैडर का मनोबल गिरा दिया है। यह फैसला पार्टी के शीर्ष नेताओं की पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डब्ल्यू.बी.पी.सी.सी.) के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया। यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 10, राजाजी मार्ग स्थित आवास पर हुई और इसमें खरगे, पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, राज्य प्रभारी गुलाम अहमद मीर, राज्य इकाई प्रमुख शुभंकर सरकार, वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी और सांसद ईशा खान चौधरी सहित अन्य लोग शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं का मानना था कि गठबंधन से कोई फायदा नहीं हुआ और उन्होंने लैफ्ट पर संसाधनों का दुरुपयोग करने और वोट ट्रांसफर न करने तथा टी.एम.सी. पर भी मनमानी करने का आरोप लगाया, जिससे सांझेदारी मुश्किल हो गई। 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने वाम मोर्चे के साथ गठबंधन किया था और एक भी सीट जीतने में नाकाम रही थी। ममता ने खोला कल्याणकारी योजनाओं का पिटारा रू जैसे-जैसे पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 करीब आ रहे हैं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 4.06 लाख करोड़ रुपए के अंतरिम राज्य बजट में कुछ बड़े वादे किए हैं, जिनका मकसद गिग वर्कर्ज, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए कल्याणकारी सहायता को बढ़ाना है। मुख्य घोषणाओं में से एक इस साल फरवरी से लक्ष्मी भंडार योजना के तहत मासिक अनुदान में 500 रुपए की बढ़ौतरी थी, जिससे सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए भत्ता बढ़ाकर 1,500 रुपए और एस.सी., एस.टी. महिलाओं के लिए 1,700 रुपए कर दिया गया है। राज्य ने इस योजना के लिए 15,000 करोड़ रुपए आबंटित किए हैं। इस कदम को सबसे बड़ा कल्याणकारी उपाय माना जा रहा है, खासकर महिलाओं के लिए, जो राज्य के लगभग आधे मतदाता हैं। यह योजना तृणमूल कांग्रेस सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम रही है। बांग्लार युवा साथी योजना की घोषणा में 21 से 40 वर्ष की आयु के बेरोजगार युवाओं को 5 साल तक या जब तक उन्हें रोजगार नहीं मिल जाता, जो भी पहले हो, प्रति माह 1,500 रुपए देने का वादा किया गया है। लाभों में सामाजिक रूप से प्रभावशाली आंगनबाड़ी और आशा कार्यकत्ताओं के अलावा नागरिक स्वयंसेवकों और पैरा-शिक्षकों के लिए 1,000 रुपए की बढ़ौतरी, भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिए 4,000 रुपए का वाष्र्षक भत्ता और गिग वर्कर्ज के लिए स्वास्थ्य बीमा भी शामिल है। इस बजट में, राज्य सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए 4 प्रतिशत डी.ए. या महंगाई भत्ते की घोषणा की है। सेवानिवृत्त राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी यह लाभ मिलेगा। एक बार फिर, ममता इस बात पर दाव लगा रही हैं कि कल्याणकारी योजनाएं, जो पहले से लागू हों, व्यक्तिगत हों और स्पष्ट रूप से वितरित की जाएं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा पर हावी होंगी, जिससे चुनाव न केवल शासन पर, बल्कि कृतज्ञता पर एक जनमत संग्रह बन जाएगा। पार्थ लेंगे राज्यसभा में मां की जगह रू चर्चा है कि पार्थ पवार को नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा राज्यसभा के लिए चुना जा सकता है। पार्थ ऊपरी सदन से सांसद के तौर पर अपनी मां और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की जगह ले सकते हैं। सुनेत्रा, जिन्होंने महायुति गठबंधन सरकार में अपने दिवंगत पति अजित पवार की जगह उपमुख्यमंत्री का पद संभाला है, से उम्मीद की जा रही है कि वह राज्यसभा सांसद के तौर पर अपनी सीट छोड़ देंगी और बारामती उपचुनाव लड़ेंगी। यह सीट 28 जनवरी को अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के बाद खाली हुई थी। पार्थ चुनावी राजनीति में सक्रिय या सफल नहीं रहे हैं। वह 2019 में हार गए थे, जब उन्होंने लोकसभा चुनाव में मावल सीट से चुनाव लड़ा था। इस बीच, महाराष्ट्र से राज्यसभा की 7 सीटें अप्रैल, 2026 में खाली होने वाली हैं। इनमें शरद पवार, राकांपा सांसद फौजिया खान, आर.पी.आई. (ए) प्रमुख रामदास अठावले, भाजपा के धैर्यशील पाटिल और भागवत कराड, कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल और शिवसेना यू.बी.टी. की प्रियंका चतुर्वेदी की सीटें शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्थ को खास तौर पर शरद पवार की सीट में दिलचस्पी है क्योंकि यह एक नए पूरे कार्यकाल का मौका देती है। राकांपा के पास भी एक उम्मीदवार को स्वतंत्र रूप से चुनने के लिए पर्याप्त संख्या है, जिससे पार्थ की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, अगर पार्टी नेतृत्व उनका समर्थन करता है। पर्यवेक्षक इस बात पर करीब से नजर रख रहे हैं कि क्या शरद पवार पार्थ की उम्मीदवारी का समर्थन करेंगे या परिवार और पार्टी के अंदरूनी मतभेद अगले राजनीतिक अध्याय को आकार देंगे।

एक संत के राज्य में संतों का अपमान

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या (जीएनएस)अपना(जीएनएस) क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

डा. रमेश सैनी

हिंदू धर्म में शंकराचार्य का पद आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार प्रमुख पीठों, ज्योतिर्मठ, द्वारका, पुरी और श्रृंगेरी मठ के प्रमुखों का है जो अद्वैत वेदांत और सनातन धर्म के संरक्षक माने जाते हैं। यह पद पूरी तरह धार्मिक है लेकिन यह पद बार-बार राजनीतिक विवादों का केंद्र बनता रहा है। इनमें पीठ के उत्तराधिकार के झगड़े, धार्मिक बयानों का राजनीतिक उपयोग, सरकारी हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों से जुड़ाव प्रमुख कारण रहे हैं। ये विवाद धार्मिक स्वायत्तता बनाम राजनीतिक प्रभाव का कारण बनते हैं। राजनेताओं ने संतों को सम्मान व समर्थन के बदले अपने वोट बैंक में बढ़ोतरी की चाह रखी है। यहां तक तो ठीक था, लेकिन गत18-19 जनवरी 2026 को प्रयागराज के माघ मेला में मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए उनकी पालकी को जाने से रोका गया। पुलिस ने भीड़ और अनुमति का हवाला दिया जिससे शंकराचार्य के

शिष्यों से पुलिस की झड़प हो गई। गुस्साए पुलिस कर्मियों ने शंकराचार्य के शिष्यों से घोर दुर्व्यवहार किया। विवाद बढने पर मेला प्रशासन ने संतों से क्षमा याचना करने व दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बजाय शंकराचार्य को 20 जनवरी को 24 घंटे का नोटिस जारी करके सुप्रीम कोर्ट के सन 2022 के आदेश का हवाला देकर पूछा कि वह शंकराचार्य शब्द शीर्षक कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं जबकि उनके उत्तराधिकार का मामला कोर्ट में है। इस नोटिस से नाराज होकर शंकराचार्य ने अनशन शुरू कर दिया और कहा कि न मुख्यमंत्री न राष्ट्रपति तय कर सकते हैं कि शंकराचार्य कौन है और कौन नहीं। इसके बाद मामले को लेकर राजनीति शुरू है। इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमलावर कांग्रेस ने इसे भाजपा का धर्मद्रोह और साधुओं का अपमान करना बताया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्वामी को निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, केदारनाथ में 228 किलो सोने की चोरी और कोविड के समय में गंगा में तैरते शवों पर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर भाजपा ने इसे प्रशासनिक मुद्दा कहकर पल्ला झाडने की कोशिश की। वहीं शंकराचार्य के समर्थकों ने इसे राजनीतिक साजिश बताया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार जानबूझकर शंकराचार्यों और संतों का अपमान तथा सनातन परंपराओं को तोड़ रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य संत समाज का गौरव हैं और अनगिनत श्रद्धालु आशीर्वाद लेने उनके पास जाते हैं जो सनातन धर्म की परंपराओं का हिस्सा है और भाजपा इन परंपराओं को तोड़ रही है। संतों और शंकराचार्यों का जानबूझ कर अपमान किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने अपने अधिकारियों के जरिए शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार किया है। हालांकि उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज से उनके अपमान को लेकर माफी मांगते हुए उनसे ससम्मान गंगा स्नान करने व विवाद समाप्त करने की अपील की थी लेकिन संत होते हुए भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उक्त मुद्दे पर चुप्पी को लेकर आमजन में आक्रोश व्याप्त है। इस मुद्दे पर योगी सरकार से नाराज भाजपा के कुछ लोगों ने पार्टी छोडने का भी ऐलान किया है।

हमें चारों ओर फैल रहे हानिकारक वातावरण से शिक्षा को बचाना होगा

आज की दुनिया में (जीएनएस)टैक्नोहोलिक्स(जीएनएस) और (जीएनएस)टैक्नो-जॉम्बी(जीएनएस) विचार भी ऐसी ही ताकतें हैं जो भ्रम पैदा कर रही हैं। (जीएनएस)टैक्नोहोलिक्स(जीएनएस) इस विचार के प्रति कट्टर रूप से समघ्पत होते हैं कि तकनीक सभी समस्याओं का समाधान और प्रगति का एकमात्र वास्तविक मार्ग है। (जीएनएस)टैक्नो-जॉम्बी(जीएनएस) विचार वे हैं, जो गलत और अक्सर हानिकारक साबित हो चुके हैं लेकिन फिर भी बार-बार जीवित हो उठते हैं। उदाहरण के लिए, शिक्षा के क्षेत्र में यह विचार कि (जीएनएस)तकनीक सिखा सकती है(जीएनएस)। तकनीक के क्षेत्र में हर कोई टैक्नोहोलिक नहीं है और हर तकनीकी विचार (जीएनएस)जॉम्बी(जीएनएस) नहीं है, फिर भी, ऐसे विचारों की संख्या बहुत अधिक है। आज के प्रौद्योगिकी प्रेमियों में ए.आई. की दुनिया के अगुआ भी शामिल हैं। उनका दृढ़ विश्वास है कि ए.आई. मानवता की सभी समस्याओं का समाधान कर सकती है और कुछ तो यह भी मानते हैं कि वास्तव में ए.आई. ही मानव जीवन का उद्धार और मुक्तिदाता होगी। बेशक, ए.आई. की दुनिया में कई समझदार लोग भी हैं, लेकिन बहुत से लोग हद से ज्यादा बहक चुके हैं। या तो ए.आई. में अटूट विश्वास के कारण या फिर अरबों डॉलर की चकाचौंध भरे सपने के कारण। हमारी दुनिया का यह जहरीला और भयावह माहौल तब स्पष्ट हो जाता है, जब वे लोग और संस्थाएं जो कभी इसके समर्थक या सहयोगी रहे हैं, इसका साथ देना बंद कर देते हैं। लंदन स्थित प्रकाशन (जीएनएस)द नॉमिस्ट(जीएनएस), जो छोटी-छोटी बातों पर लोगों के विचारों को (जीएनएस)लुडाइट(जीएनएस) (अति-तकनीकी) करार देने के लिए जाना जाता है।

अनुराग बेहार

आज पूरी दुनिया में जहरीली गंदगी फैली हुई है। स्लोप भी उसी गंदगी का एक हिस्सा है। कुछ प्रकाशनों ने (जीएनएस)स्लोप(जीएनएस) को 2025 का (जीएनएस)वर्ड ऑफ द ईयर(जीएनएस) चुना है। इसका उच्चारण इसके अर्थ को स्पष्ट करता है-कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई.) द्वारा निर्मित निम्न-गुणवत्ता वाली, अत्यधिक मात्रा वाली डिजिटल सामग्री। पहले इस शब्द का अर्थ (जीएनएस)गीला खाद्य अपशिष्ट या कीचड़(जीएनएस) होता था, लेकिन अब अपने नए रूप में यह एक महत्वपूर्ण कमी को पूरा करता है और हमें उस चीज को नाम देने में मदद करता है जिससे हम घिरे हुए हैं। पूरी दुनिया में निरर्थक बातों की बाढ़-सी आ गई है, जो हमारे आसपास के जहर को और भी घातक बना रही है। अक्सर ये बातें घटिया किस्म की होती हैं लेकिन अन्य रूपों में भी इतनी अधिक हैं कि उन सभी को यहां पूरी तरह से सूचीबद्ध करना संभव नहीं है। उदाहरण के लिए, कुछ स्वघोषित गुरुओं, राजनेताओं और व्यापारियों के भाषण, शोध के रूप में प्रस्तुत किए जाने वाले मीडिया लेख और कार्यक्रम, और मोहल्लों के स्वघोषित नेताओं से मिलने वाले अनचाहे निर्देश। विभिन्न माध्यम इस तरह की सामग्री हम पर परोस रहे हैं। कुछ बेतुकी बातें तो सरासर बकवास होती हैं लेकिन सब नहीं। इनमें से काफी सटीक मापदंड पर खरी नहीं उतरतीं-यानी ऐसी बात, जिसका (जीएनएस)सत्य से कोई संबंध न हो(जीएनएस)। चूंकि हम ऐसी बेतुकी बातों में डूबे हुए हैं, इसलिए इनकी मुख्य बातों को संक्षेप में समझना जरूरी है। इसका सार यह है कि इन्हें बोलने वालों को इस बात की परवाह नहीं होती कि उनके दावे सही हैं या गलत और ये वास्तविकता का वर्णन करने की बजाय किसी विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने या वक्ता की एक विशेष छवि बनाने के लिए कही जाती हैं। आज की दुनिया में (जीएनएस)टैक्नोहोलिक्स(जीएनएस) और (जीएनएस)टैक्नो-जॉम्बी(जीएनएस) विचार भी ऐसी ही ताकतें हैं जो भ्रम पैदा कर रही हैं। (जीएनएस)टैक्नोहोलिक्स(जीएनएस) इस विचार के प्रति कट्टर रूप से समघ्पत होते हैं कि तकनीक सभी समस्याओं का समाधान और प्रगति का एकमात्र वास्तविक मार्ग है। (जीएनएस)टैक्नो-जॉम्बी(जीएनएस) विचार वे हैं, जो गलत और अक्सर हानिकारक साबित हो चुके हैं लेकिन फिर भी बार-बार जीवित हो उठते हैं। उदाहरण के लिए, शिक्षा के क्षेत्र में यह विचार कि (जीएनएस)तकनीक सिखा सकती

है(जीएनएस)। तकनीक के क्षेत्र में हर कोई टैक्नोहोलिक नहीं है और हर तकनीकी विचार (जीएनएस)जॉम्बी(जीएनएस) नहीं है, फिर भी, ऐसे विचारों की संख्या बहुत अधिक है। आज के प्रौद्योगिकी प्रेमियों में ए.आई. की दुनिया के अगुआ भी शामिल हैं। उनका दृढ़ विश्वास है कि ए.आई. मानवता की सभी समस्याओं का समाधान कर सकती है और कुछ तो यह भी मानते हैं कि वास्तव में ए.आई. ही मानव जीवन का उद्धार और मुक्तिदाता होगी। बेशक, ए.आई. की दुनिया में कई समझदार लोग भी हैं, लेकिन बहुत से लोग हद से ज्यादा बहक चुके हैं। या तो ए.आई. में अटूट विश्वास के कारण या फिर अरबों डॉलर की चकाचौंध भरे सपने के कारण। हमारी दुनिया का यह जहरीला और भयावह माहौल तब स्पष्ट हो जाता है, जब वे लोग और संस्थाएं जो कभी इसके समर्थक या सहयोगी रहे हैं, इसका साथ देना बंद कर देते हैं। लंदन स्थित प्रकाशन (जीएनएस)द इकोनॉमिस्ट(जीएनएस), जो छोटी-छोटी बातों पर लोगों के विचारों को (जीएनएस)लुडाइट(जीएनएस) (अति-तकनीकी) करार देने के लिए जाना जाता है, ने (जीएनएस)एड टेक लाभदायक है, लेकिन ज्यादातर बेकार भी है(जीएनएस) शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें लिखा है, (जीएनएस)(जीएनएस)स्कूलों में तकनीक की व्यापकता ठोस प्रमाणों की बजाय आक्रामक मार्कीटिंग पर आधारित है और दीर्घकालिक रुझान इस संभावना को बढ़ाते हैं कि कक्षा में उपकरणों के बढ़ते उपयोग से पढने और अन्य विषयों में प्रदर्शन में खतरनाक गिरावट आई है।(जीएनएस)(जीएनएस) यह अच्छी बात है कि इस प्रतिष्ठित पत्रिका ने एड-टेक के प्रचार को पहचाना है। रोजगार के खतरे की बढ़ती संख्या में से एक और चेतावनी दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर एक बड़ी ऊर्जा कंपनी के सी.ई.ओ. द्वारा ए.आई. के कारण आने वाले (जीएनएस)रोजगार संकट(जीएनएस) की घोषणा थी। व्यापार जगत में कई लोग अब यह स्वीकार करते हैं कि ए.आई. करोड़ों नौकरियों को नष्ट कर देगी, साथ ही उन्हें यह भी नहीं पता कि ए.आई. कितनी नौकरियां पैदा कर सकती है, जो उन नौकरियों के बराबर हों जिन्हें वह नष्ट करेगी। उतनी ही चौंकाने वाली बात यह है कि जिन लोगों ने सोचा था कि ए.आई. शिक्षा में सुधार का रामबाण इलाज होगी, उन्हें अब एहसास हो रहा है कि शिक्षा वास्तव में अपनी बुनियाद पर ही ए.आई. के हमले का शिकार है। शिक्षा के क्षेत्र में गहराई से जुड़े लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि किस प्रकार ए.आई. छात्रों की सोचने-समझने की क्षमता को अवरुद्ध और नष्ट कर रही है। वे स्पष्ट रूप से मानते हैं कि शिक्षा में अन्य सभी तकनीकों की तरह, ए.आई.-आधारित ऐप्स भी वास्तविक दुनिया में लगभग बेकार हैं।

अपोलोमेडिक्स लखनऊ की टीम ने मिर्गी की जटिल सर्जरी से किया सटीक इलाज

लखनऊ,(संवाददाता)। न्यूरोलॉजी की जटिल परेशानियों के इलाज के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि के रूप में, अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल, लखनऊ ने 31 साल की एक महिला का सफल इलाज किया है, जो लंबे समय से मिर्गी की गंभीर समस्या से जूझ रही थीं। दवाइयों के बावजूद उनके दौरे काबू में नहीं आ रहे थे। यह सफलता अस्पताल की अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की साझा मेहनत और मिर्गी सर्जरी में अनुभव को दिखाती है। मरीज को बचपन से ही बार-बार मिर्गी के दौरे पड़ते थे। इलाज के लिए उन्होंने कई डॉक्टरों से संपर्क किया, लेकिन दवाइयों की डोज बढ़ाने के बाद भी कोई खास फायदा नहीं हुआ। डॉक्टरों के मुताबिक, लंबे समय तक दवाइयां लेने से उन्हें दूसरी परेशानियां भी होने लगी थीं। अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल में निदेशक न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण शर्मा की देखरेख में मरीज की पूरी जांच की गई। इसमें दिमाग का एमआरआई, वीडियो ईईजी जांच, पीईटी-सीटी स्कैन और मानसिक कार्यक्षमता से जुड़ी जांच शामिल थी। सभी रिपोर्ट्स के आधार पर मामला अस्पताल की एपिलेप्सी क्लिनिक में डॉक्टरों की साझा बैठक में रखा गया।

सिर्फ एक बार आजमाएं ये पांच नुस्खे, बगीचा बनेगा कीट-मुक्त और ऑर्गेनिक

हर बागवानी प्रेमी चाहता है कि उसके पौधे हरे-भरे और स्वस्थ रहें, लेकिन कीट लगने से चिंता बढ़ जाती है। बाजार में मिलने वाले रासायनिक कीटनाशक तुरंत असर तो दिखाते हैं, लेकिन मिट्टी, पौधों और पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं। बच्चों और पालतू पशुओं पर भी इन का बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए घरेलू और प्राकृतिक उपाय अपनाना बेहतर तथा सुरक्षित विकल्प है, जो पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद हैं और पौधों को नुकसान भी नहीं पहुंचाते।

नीम का तेल

नीम का तेल पौधों के लिए एक अत्यंत लाभकारी प्राकृतिक कीटनाशक है, जिसे कई वैज्ञानिक रिसर्च ने प्रभावी बताया है। इसमें मौजूद एजाडिरेक्टिन नामक तत्व कीटों को नियंत्रित करने में मदद करता है, खासकर एफिड, माइट, व्हाइट फ्लाई जैसे हानिकारक कीटों को। नीम का तेल न केवल कीटों को मारता है, बल्कि पौधों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रखता है। साथ ही नीम तेल मिट्टी की गुणवत्ता भी बढ़ाता है और पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है।

राख डालें

राख में कैल्शियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं, जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं। यह मिट्टी का पीएच संतुलित करती है और पौधों की जड़ों को मजबूत बनाती है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि राख की मदद से पौधों में पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है, जिससे उनका विकास और स्वास्थ्य बेहतर होता है। साथ ही राख कीटों और फंगस से पौधों की सुरक्षा भी करती है, जिससे फसलों की पैदावार बढ़ती है।

लकड़ी का बुरादा

लकड़ी का बुरादा पौधों की देखभाल में बेहद उपयोगी होता है। यह मिट्टी में नमी बनाए रखता है और उसकी उर्वरता बढ़ाने में मदद करता है। बुरादा सूक्ष्म जीवों की वृद्धि को प्रोत्साहित करता है, जिससे पौधों की जड़ें मजबूत होती हैं और उनका बेहतर विकास होता है। साथ ही यह मिट्टी में पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखता है और खरपतवार को भी रोकता है। लकड़ी का बुरादा प्राकृतिक और प्रभावी तरीका है पौधों को स्वस्थ रखने का।

सादा दूध

वैज्ञानिक रिसर्च से प्रमाणित है कि सादा दूध पौधों के लिए लाभकारी होता है। असल में, दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। दूध का छिड़काव पौधों को फंगल इंफेक्शन से बचाने में मदद करता है और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। हालांकि दूध का उपयोग सीमित मात्रा में और पतला करके करना चाहिए, ताकि पौधों को नुकसान न हो और मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहे।

हर्बल पानी

यह पानी तुलसी, पुदीना और नीम जैसे औषधीय पौधों के अर्क से बनता है, जो पौधों को रोगों से बचाता है और कीटों को दूर रखता है। साथ ही यह पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देता है, मिट्टी की उर्वरता सुधारता है और पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है। इसके नियमित छिड़काव से पौधे स्वस्थ ?और हरे-भरे नजर आते हैं। यह रासायनिक कीटनाशकों का एक बेहतर विकल्प है।

पहले जांच कर लें

हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोमिला रावत बिष्ट बताती हैं, नीम का तेल, राख, लकड़ी का बुरादा और हर्बल पानी जैसे प्राकृतिक उपाय पौधों को कीटों से बचाते हैं और मिट्टी की उर्वरता तथा पर्यावरण की सुरक्षा में भी मदद करते हैं। रासायनिक कीटनाशकों के मुकाबले ये प्राकृतिक उपाय न सिर्फ सस्ते पड़ते हैं, बल्कि पेड़-पौधों के साथ-साथ बच्चों, पालतू पशुओं और पक्षियों के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित होते हैं। लेकिन याद रखें कि बहुत सी चीजें पौधे की आवश्यकता पर भी निर्भर करती हैं और किसी चीज की भी अधिकता उनके लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए इन उपायों को बगीचे में अपनाने से पहले इसका एक छोटा हिस्सा डालें और सब कुछ सही रहा तो सही मात्रा पौधों में डालें।

सच्चा दोस्त या जहरीला रिश्ता ? ऐसे करें बेस्ट फ्रेंड और टॉक्सिक फ्रेंड में फर्क

कुछ संकेत ऐसे होते हैं जो साफ बताते हैं कि सामने वाला आपका सच्चा हमसफर है या केवल अपनी जरूरतों के लिए जुड़ा हुआ। इस लेख में बेस्ट फ्रेंड और टॉक्सिक फ्रेंड्स के बीच फर्क को समझें। दोस्ती जीवन का सबसे खूबसूरत रिश्ता माना जाता है। एक अच्छा दोस्त हमारे दुख-सुख में साथ खड़ा रहता है, हमें समझता है और

हमारी अच्छाइयों व कमियों के बावजूद हमें स्वीकार करता है। लेकिन हर दोस्ती सच्ची नहीं होती। कई बार हम ऐसे दोस्तों के साथ जुड़ जाते हैं जो दिखने में तो करीब होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे हमारे आत्मविश्वास, खुशियों और जीवन की शांति को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे दोस्त टॉक्सिक फ्रेंड्स कहलाते हैं। अच्छे और जहरीले दोस्त में फर्क समझना जरूरी है, क्योंकि जहां बेस्ट फ्रेंड आपकी ताकत बनता है, वहीं टॉक्सिक फ्रेंड धीरे-धीरे आपकी कमजोरी का कारण बनता है। पहचान पाना आसान नहीं, लेकिन कुछ संकेत ऐसे होते हैं जो साफ बताते हैं कि सामने वाला आपका सच्चा हमसफर है या केवल अपनी जरूरतों के लिए जुड़ा हुआ। इस लेख में बेस्ट फ्रेंड और टॉक्सिक फ्रेंड्स के बीच फर्क को समझें।

सपोर्ट बनाम ईर्ष्या

एक बेस्ट फ्रेंड आपकी सफलता पर गर्व महसूस करता है और मुश्किल वक्त में हौसला देता है। वहीं, टॉक्सिक फ्रेंड आपकी तरक्की से जलन महसूस करता है और उसे कमतर दिखाने की कोशिश करता है।

ईमानदारी बनाम चालाकी

सच्चा दोस्त आपको सच्चाई बताएगा, भले वह कड़वी ही क्यों न हो। वह आपके साथ सच्चा और ईमानदार रहता है लेकिन टॉक्सिक फ्रेंड अपने फायदे के लिए आपको मेन्यूपुलेट करता है। सच छुपाता है और चालाकी से अपना काम निकालता है।

प्रेरणा बनाम नकारात्मकता

बेस्ट फ्रेंड आपकी सोच और ऊर्जा को सकारात्मक बनाता है। वह आपको बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। उसकी मौजूदगी में आप खुद को बेहतर महसूस करते हैं। इसके उलट, टॉक्सिक फ्रेंड हमेशा नेगेटिव बातें करता है, आपकी खुशियों को कम करता है और मानसिक बोझ बढ़ाता है।

स्थापना के बाद बप्पा को लगाएं बिना प्याज-लहसुन वाली वेज थाली का भोग, ऐसे करें तैयार

गणेश चतुर्थी का दिन भगवान गणेश की स्थापना और उनकी पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। गणेश जी, जिन्हें बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य का देवता माना जाता है, हर घर और मंदिर में बड़े प्रेम से स्थापित किए जाते हैं। ऐसे में गणेश चतुर्थी के खास अवसर पर बप्पा को बिना प्याज-लहसुन वाली शुद्ध वेज थाली का भोग लगाना तो बनता है। इस थाली में पूड़ी, पनीर की लबाबदार सब्जी, रायता, पुलाव और मीठी खीर शामिल होती है। ऐसा भोजन भोग के रूप में भगवान को अर्पित किया जाता है, जिससे उनकी कृपा बनी रहती है। तो आइए बिना देर किए आपको इन पकवानों की आसान रेसिपी बताते हैं, ताकि आप इन्हें झटपट तैयार कर सकें। त्योहार की थाली तैयार कर रहे हैं तो सब्जी खास होनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले तो पनीर के टुकड़े काट लें। इसके बाद मटर को भी उबालकर साइड में रख लें। अब एक पैन में घी डालें, जीरा और हींग डालकर तड़का लगाएं। अब टमाटर की प्यूरी डालें, हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, नमक पाउडर डालें। इसके बाद उसमें थोड़ा सा पानी डालें और पकने दें। जब ये पक जाए और इसमें तेल ऊपर

की तरफ आ जाए तो पनीर के क्यूब्स और उबली हुई डाल दें। पनीर डालने के बाद फिर इसे कम से कम 2-8 मिनट पकाएं। आखिर में ऊपर से हरा धनिया डालकर इसे सजाएं। मिक्स वेज बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो आलू, फूल गोभी, गाजर, जैसी सभी सब्जियों को धोकर काट लें। अब इन्हें तेल में हल्का फ्राई कर लें। इसके बाद दूसरे पैन में तेल में जीरा, हींग तड़के के लिए डालें। जब तड़का तैयार हो जाए तो इसमें फ्राई की हुई सब्जियों को भी डालकर मिक्स करें। सब्जियां डालने के बाद आखिर में नमक और बाकी मसाले डालें। ढक कर कुछ देर पकाएं और फिर गैस बंद करके हरे धनिये से इसे सजाएं।

पूड़ी

त्योहार के दिन कई घरों में रोटी नहीं बनती है। ऐसे में उसमें गेहूं का आटा गूंध लें, थोड़ा नमक डालें। इसके बाद इसमें छोटी-छोटी लोइयां बनाएं और बेल लें। अब इनसे गरम तेल में पूड़ी तलें।

पुलाव

इसे बनाना सबसे आसान है और ये पनीर के साथ अच्छा भी लगता है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले तो चावल धोकर 15 मिनट भिगो दें। इसके बाद घी में तेजपत्ता, लौंग, दालचीनी डालकर भूनें। अब कटे हुए मिक्स वेज (गाजर, मटर, बीन्स) डालें। आखिर में इसमें भिगोया हुआ चावल डालें, पानी डालें और धीमी आंच पर पकाएं।

रायता

वेज थाली में रायता न हो, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। इसके लिए सबसे पहले ताजा दही फेंट लें। अब इस दही में कद्दूकस की हुई गाजर, कटी हरी मिर्च, काला नमक डालें। सभी चीजो को मिक्स करके इसे फ्रिज में रख दें।

खीर

सबसे आखिर में बारी आती है खीर बनाने की तो उसके लिए सबसे पहले दूध गरम करें। इसके बाद चावल डालकर धीमी आंच पर पकाएं। अब इसें शक्कर, इलायची पाउडर डालें। बादाम और किशमिश डालकर सजाएं।

मच्छरों के कारण हर साल फैलने वाली इन तीन बीमारियों का अब तक नहीं है कोई इलाज, फिर कैसे रहें सुरक्षित ?

मानसून के महीनों में मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। भारत में हर साल

जुलाई से लेकर सितंबर-अक्तूबर के महीनों में मच्छरजनित बीमारियों जैसे डेंगू-मलेरिया, चिकनगुनिया के कारण अस्पतालों में भारी भीड़ देखी जाती रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों के अनुसार, हर साल दुनियाभर में लाखों लोग सिर्फ मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों के कारण मारे जाते हैं। आश्चर्य की बात ये है कि इनमें से कई बीमारियों का अब तक कोई विशिष्ट इलाज उपलब्ध नहीं है, बल्कि उपचार के तौर पर डॉक्टर सिर्फ लक्षणों को ठीक करने वाले उपायों-दवाओं को प्रयोग में लाते हैं। डेंगू, चिकनगुनिया और जीका ऐसी ही तीन खतरनाक बीमारियां हैं जिनका अभी तक कोई स्थायी इलाज या वैक्सीन नहीं है। यही वजह है कि डॉक्टर सभी लोगों को बचाव के उपायों का पालन करते रहने की सलाह देते रहते हैं। इन बीमारियों की सबसे बड़ी समस्या यह भी है कि शुरूआती लक्षण साधारण बुखार जैसे होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे ये जानलेवा रूप ले सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मच्छरों से होने वाली तमाम बीमारियां हर साल लोगों के परेशान करती हैं। डेंगू में प्लेटलेट्स तेजी से घटने लगता है जो गंभीर स्थितियों में जानलेवा भी हो सकता है। चिकनगुनिया महीनों तक जोड़ों में दर्द देता रहता है वहीं जीका वायरस गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए आजीवन खतरा बन सकता है। यानी ये सिर्फ बीमारी नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का कारण भी हैं। चूंकि इन तीनों का कोई पक्का इलाज नहीं है इसलिए डॉक्टर सिर्फ लक्षणों को कंट्रोल करते हैं।

डेंगू का खतरा

डेंगू एक वायरल बीमारी है जो एडीज एजिप्टी नामक मच्छर के काटने से फैलती है। दुनियाभर में हर साल लगभग 40 करोड़ लोग डेंगू का शिकार होते हैं। भारत में मानसून के दिनों में और बरसात के बाद यह सबसे ज्यादा फैलता है। डेंगू के कारण रोगियों को तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे और मांसपेशियों-जोड़ों में दर्द के साथ त्वचा पर लाल चकत्ते हो सकते हैं। गंभीर स्थिति में यह हेमरेजिक फीवर या डेंगू शॉक सिंड्रोम का भी कारण बन सकता है। इसमें प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से घटने लगती है जो शरीर में अंदरूनी रक्तस्राव का कारण बन सकती है। डेंगू का कोई विशेष इलाज मौजूद नहीं है। इसके उपचार में केवल बुखार कम करने, प्लेटलेट्स को कम होने से बचाने और शरीर में पानी की कमी पूरी करने पर ध्यान दिया जाता है।

चिकनगुनिया का कई महीनों तक दिखता है असर

डेंगू की तरह चिकनगुनिया भी खतरनाक है और इसका भी कोई पुख्ता इलाज नहीं है। चिकनगुनिया के लक्षणों में अचानक तेज बुखार, सिरदर्द, थकान, त्वचा पर लाल चकत्ते और जोड़ों में दर्द-सूजन शामिल है। यह बीमारी वैसे तो कम जानलेवा होती है, लेकिन इसका सबसे बड़ा खतरा लंबे समय तक दर्द और कमजोरी बने रहना है। कई मरीज महीनों तक चलने-फिरने में असमर्थ रहते हैं। चिकनगुनिया का भी कोई सीधा इलाज या बचाव के लिए वैक्सीन नहीं है। मरीजों को आराम करने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और पौष्टिक आहार लेने के साथ दर्द कम करने के लिए पैरासिटामोल दी जाती है।

जीका वायरस का देखा जाता रहा है प्रकोप

जीका वायरस के प्रकोप की खबरें आप भी सुनते रहे होंगे। ये एडीज मच्छर से फैलता है। सामान्यत; इस रोग के कारण हल्का बुखार, आंखों में लालिमा (कंजक्टिवाइटिस), सिरदर्द, त्वचा पर लाल दाने और जोड़ों में दर्द की समस्या देखी जाती है। हालांकि ये गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए खतरनाक हो सकता है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती हैं कि अगर गर्भवती महिला को जीका वायरस हो जाए तो बच्चे में माइक्रोसिफली जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है, जिसमें बच्चे का सिर और दिमाग पूरी तरह विकसित नहीं हो पाता। जीका का भी कोई विशेष इलाज या वैक्सीन नहीं है। मरीज को सिर्फ लक्षणों को कम करने वाली दवाइयां, आराम और पर्याप्त त डॉक्टर बताते हैं, इन तीनों बीमारियों से बचाव ही एकमात्र कारगर तरीका है। इसके लिए मच्छरदानी का प्रयोग, पूरी बाजू के कपड़े पहनना और घर के आसपास पानी जमा न होने देना सबसे जरूरी है।

किडनी फेलियर होने के पहले दिखते हैं ये 7 संकेत, न करें नजरअंदाज करने की भूल

हमारी किडनियां शरीर का एक बेहद जरूरी हिस्सा हैं। ये न सिर्फ खून को साफ करने का काम करती हैं, बल्कि शरीर में पानी, नमक और मिनरल्स का संतुलन बनाए रखती हैं। लेकिन जब किडनी धीरे-धीरे खराब होने लगती है, तो शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। ये बदलाव अगर समय रहते पकड़ लिए जाएं, तो गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता

है। आइए, इन लक्षणों को समझते हैं।

पेशाब में बदलाव महसूस होना

किडनी की गड़बड़ी का पहला संकेत अक्सर पेशाब में बदलाव के रूप में सामने आता है। अगर आप देख रहे हैं कि आपकी पेशाब की मात्रा कम हो रही है, या पेशाब झागदार (फोमी) हो गया है, तो ये किडनी से प्रोटीन लीक होने का संकेत हो सकता है। कभी-कभी रात को बार-बार पेशाब लगना या उसका रंग बहुत गहरा हो जाना भी एक चेतावनी हो सकती है। अगर आपको ऐसा लग रहा है कि पेशाब पहले जैसा नहीं रहा, तो इसे अनदेखा न करें।

शरीर में सूजन आना

क्या आपने कभी सुबह उठते ही चेहरे पर सूजन या आंखों के नीचे फुलाव महसूस किया है? या फिर दिन में आपके पैरों और टखनों में सूजन रहने लगी है? ये संकेत इस बात के हो सकते हैं कि आपकी किडनियां शरीर से अतिरिक्त पानी और नमक बाहर नहीं निकाल पा रही हैं। यह सूजन धीरे-धीरे बढ़ सकती है और कई बार सामान्य थकान या वजन बढ़ने जैसा महसूस हो सकता है।

हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आपको हर समय थकान लग रही है, बिना ज्यादा मेहनत के भी शरीर भारी लगता है, तो यह सिर्फ आराम की कमी नहीं हो सकती। किडनियां एक खास हार्मोन बनाती हैं जो शरीर में खून की कमी को रोकता है। जब किडनियां खराब होती हैं, तो यह हार्मोन कम बनने लगता है और इससे शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। इसी वजह से थकावट और कमजोरी महसूस होती है।

सांस लेने में दिक्कत होना

अगर आप सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ा चलने पर ही हांफने लगते हैं, या लेटते समय सांस लेने में तकलीफ होती है, तो ये भी किडनी की समस्या का लक्षण हो सकता है। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो फेफड़ों में पानी जमा हो सकता है, जिससे सांस फूलने लगती है। इस तरह की दिक्कत को कभी हल्के में न लें, खासकर अगर यह पहले नहीं होती थी।

उल्टी, मतली और भूख कम लगना

जब शरीर में टॉक्सिन्स (विषैले तत्व) बढ़ जाते हैं, तो उसका असर सीधे हमारे पेट पर पड़ता है। बार-बार उल्टी आना, मिचली रहना, भूख का कम लगना और मुंह का स्वाद कड़वा या धातु जैसा महसूस होना ये संकेत हो सकते हैं कि किडनी खून को ठीक से साफ नहीं कर पा रही। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे तो शरीर और भी कमजोर हो सकता है।

त्वचा में खुजली और रूखापन होना

अगर आपकी त्वचा लगातार खुजली कर रही है, बहुत रूखी हो गई है या उसमें बार-बार रैशेज हो रहे हैं, तो इसका कारण सिर्फ मौसम नहीं हो सकता। किडनी जब टॉक्सिन्स को बाहर नहीं निकाल पाती, तो ये जहरीले तत्व शरीर में जमा होकर त्वचा पर असर डालते हैं। धीरे-धीरे यह खुजली बढ़ सकती है और नींद तक में खलल डाल सकती है।

पेट जल्दी भरता है या भूख नहीं लगती ? हो सकता है ये पेट के कैंसर का संकेत द जानिए ऐसे 5 जरूरी लक्षण

कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, लेकिन कई बार इसके शुरूआती लक्षण बहुत मामूली लगते हैं। खासतौर से पेट का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ता है और इसके लक्षण इतने आम होते हैं कि लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। लेकिन इन्हीं लक्षणों को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। अगर आप या आपके किसी जानने वाले को नीचे दिए गए लक्षण लंबे समय से हो रहे हैं, तो बिना देरी डॉक्टर से जांच जरूर करवाएं।

थोड़ा खाते ही पेट भर जाना

अगर आप थोड़ी ही मात्रा में खाना खाते हैं और फिर भी पेट भरा-भरा लगता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसे लोग अक्सर कहते हैं कि उन्हें भूख लगती है, लेकिन थोड़ा खाने के बाद ही पेट भारी हो जाता है। यह स्थिति पेट में ट्यूमर की वजह से हो सकती है, जो पेट के अंदर स्पेस को कम कर देता है। शरीर में पोषण की कमी और वजन तेजी से गिरने लगता है।

लगातार जलन (हार्टबर्न) या अपच की समस्या

अगर हर दिन खाने के बाद सीने में जलन, खट्टी डकार या पेट भारी लगने की समस्या हो रही है और आप एंटासिड दवा खा-खा कर थक चुके हैं, तो यह केवल गैस या एसिडिटी नहीं बल्कि कैंसर का शुरूआती

संकेत भी हो सकता है। खासतौर पर जब ये लक्षण कई हफ्तों तक बने रहें तो सतर्क हो जाना चाहिए।

बिना कारण जी मिचलाना या पेट में बेचैनी

हर बार जी मिचलाने का मतलब ये नहीं कि कुछ उल्टा खा लिया है। अगर यह लक्षण बिना किसी स्पष्ट कारण के बार-बार सामने आ रहा है और धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है, तो यह पेट की गंभीर बीमारी या गैस्ट्रिक कैंसर की शुरूआत का संकेत हो सकता है। भूख में लगातार कमी अगर आपकी तबीयत ठीक है लेकिन आपको भूख नहीं लगती, तो यह चिंता का कारण है। पेट में कैंसर की वजह से शरीर में भूख का सिस्टम प्रभावित होता है और भोजन की मात्रा कम होती जाती है। इसका असर सीधे आपके वजन और एनर्जी लेवल पर पड़ता है।

एबीवीपी-एनएसयूआई स्टूडेंट्स का बवाल, एलयू कैंपस में प्रॉक्टर को घेरा, पुलिस से धक्का-मुक्की

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को छात्र सभा के दौरान माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया, जब दो छात्र संगठनों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। एक ओर एनएसयूआई के छात्र थे, तो दूसरी ओर एबीवीपी के कार्यकर्ता मौजूद थे। देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो आगे चलकर विवाद और धक्का-मुक्की में बदल गई। छात्र सभा के आयोजन के दौरान पहले नारेबाजी हुई, फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बहस इतनी तेज हो गई कि दोनों पक्षों के छात्र एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए और माहौल गर्म हो गया। स्थिति बिगड़ती देख विश्वविद्यालय प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। विवाद के बीच एनएसयूआई और समाजवादी पार्टी से जुड़े छात्र संगठनों ने एक गंभीर आरोप लगाया। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने कथित तौर पर एक छात्र पर हाथ उठाया और मारपीट की। इस घटना को लेकर छात्रों में भारी आक्रोश देखा गया और उन्होंने तत्काल कार्रवाई की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय प्रशासन मौके पर पहुंचा और हालात को काबू में किया।

क्या भारत से खेले बिना अगले राउंड में पहुंच सकता है पाकिस्तान? फॉर्म डराने वाला, अकड़ ऐसी की पूछो मत!

कोलंबो : भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार ने पाकिस्तान की राह मुश्किल कर दी है। ग्रुप अ में आगे बढ़ने के लिए उसे अमेरिका और नामीबिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, तभी सिर्फ वह भारत के खिलाफ न खेलने पर होने वाले दो अंक के नुकसान से पार पा पाएंगे। नए कोच माइक हेसन के तहत टीम का फॉर्म बेहतर है, लेकिन बाबर आजम की भूमिका, बारिश और दबाव भरे मुकाबले पाकिस्तान की असली परीक्षा लेंगे। भारत से बिना खेले अगले राउंड में पहुंचना संभव तो है, पर उनका फॉर्म डराने वाला है। टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है, क्या वह भारत के खिलाफ खेले बिना भी ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ सकता है? 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बहिष्कार का फैसला पाकिस्तान सरकार ने लिया, जिसने पूरी क्रिकेट दुनिया को हिला कर रख दिया। यह फैसला ऐसे समय पर आया, जब पाकिस्तान ने लाहौर में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को 3-0 से क्लीन स्वीप कर जबरदस्त आत्मविश्वास दिखाया था। वैसे तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने ये कहा कि बांग्लादेश को समर्थन के लिए उन्होंने बहिष्कार का फैसला लिया पर फैंस ने यह फैसला भारत के खिलाफ विश्व कप में खराब रिकॉर्ड के डर को माना। नीदरलैंड के खिलाफ जीत के लिए जूझती दिखी पाकिस्तान की टीम पाकिस्तान की टी20 विश्वकप की तैयारी पहले मैच में ही दिख गई, जब उसे नीदरलैंड के खिलाफ जीत के लिए जूझना पड़ा। 148 रन का लक्ष्य उसने सात विकेट गंवाकर और 19.3 ओवर में जाकर हासिल किया। टीम को आखिरी दो ओवर में 29 रन चाहिए थे। फहीम अशरफ का एक कैच छूटने से मैच का पासा पलट गया, नहीं तो नीदरलैंड ने पाकिस्तान की सांसें अटका दी थीं। उनके खिलाड़ियों का फॉर्म डराने वाला है, लेकिन अकड़ ऐसा ही कि पूछो मत। सलमान आगा और पाकिस्तानी पीएम पहले ही बयान दे चुके पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने भारत से मैच नहीं खेलने के मुद्दे पर साफ कहा, 'यह हमारा फैसला नहीं है, हम कुछ नहीं कर सकते। सरकार और पीसीबी चेयरमैन जो कहेंगे, वही हमें करना होगा।' प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी पुष्टि की कि यह बहिष्कार बांग्लादेश के समर्थन में लिया गया कदम है, जिसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। ग्रुप ए का गणितः पाकिस्तान की राहें कितनी मुश्किल? पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ जीत के बाद ग्रुप ए में पाकिस्तान के सामने अब भारत, अमेरिका और नामीबिया की चुनौती होगी। भारत के खिलाफ मैच अगर पाकिस्तान नहीं खेलता है, तो उसे वॉकओवर के रूप में हार मिल सकती है, जिससे अंक तालिका में बड़ा नुकसान होगा। ऐसे में पाकिस्तान के लिए बाकी मुकाबले करो या मरो जैसे होंगे। 2024 विश्व कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। उस मैच में बाबर आजम, फखर जमां, उस्मान खान, नसीम शाह, शादाब खान और शाहीन अफरीदी जैसे खिलाड़ी खेले थे। यानी अमेरिका को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया और इस प्रदर्शन से उनका मनोबल गिरा होगा। ऐसे में अमेरिका की टीम इसका फायदा उठा सकती है। वहीं, नामीबिया कागजों पर कमजोर दिखती है, पर यह टीम भी टी20 फॉर्मेट में चौंका सकती है। उसके पास इस प्रारूप के कई सुपर स्टार्स हैं। इनमें अनुभवी डेविड वीजे भी शामिल हैं, जो पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए खेल चुके हैं। अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलता है, तो उसे बाकी तीनों मुकाबले जीतने ही होंगे। ऊपर से, श्रीलंका में बारिश की भविष्यवाणी भी हालात और मुश्किल बना सकती है। कप्तान सलमान अली आगा का फ्लॉप शो जारी न्यूजीलैंड के कोच माइक हेसन के आने के बाद पाकिस्तान की टी20 टीम में साफ बदलाव दिखा है। आक्रामक क्रिकेट उनकी रणनीति का केंद्र बन चुका है। कप्तान सलमान अली आगा ने श्रीलंका दौरे और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में नंबर-तीन पर तेज रन बनाने का इरादा साफ दिखाया। हालांकि, नीदरलैंड के खिलाफ नंबर तीन पर वह फ्लॉप रहे। नीदरलैंड ते खिलाफ आगा सात गेंद में 12 रन बना सके। ऐसे में विदेशी पिचों पर उनकी काबीलियत पर फिर सवाल उठना तय है। एशिया कप टी20 में भी सलमान पाकिस्तान के फिसड्डी बल्लेबाजों में से एक रहे थे। बाबर आजम पर सवाल, फिर भी टीम में जगह बाबर आजम की स्ट्राइक रेट (करीब 128 का) को लेकर लगातार सवाल उठते रहे, जिसके चलते उन्हें कुछ समय के लिए टीम की योजनाओं से बाहर भी रखा गया। हालांकि, अक्तूबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए उनकी वापसी हुई। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए 11 मैचों में सिर्फ 202 रन बनाने के बावजूद, धीमी पिचों पर अनुभव के कारण बाबर को विश्व कप टीम में जगह मिली। वह नीदरलैंड के खिलाफ नंबर चार पर उतरे और अपने चिर-परिचित अंदाज में खेले। बाबर 18 गेंद में 15 रन ही बना सके। स्ट्राइक रेट फिर 100 से कम।

पांचवीं बार चौके के साथ शुरू हुआ टी20 विश्वकप, नीदरलैंड के नाम जुड़ी उपलब्धि; इससे पहले ऐसा कब-कब हुआ?

कोलंबो : टी20 विश्वकप का आगाज हो गया है। पहले मैच में पाकिस्तान और नीदर**लैंड की टीमें आमने-सामने** थीं। यह मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेला गया। 148 रन का लक्ष्य पाकिस्तान की टीम 19.3 ओवर में जाकर हासिल कर पाई। एक वक्त तो नीदरलैंड ने पाकिस्तान की सांसें अटका दी थीं। पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मुकाबले के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरूआत हो गई है। शनिवार को नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज माइकल लेविट ने इस संस्करण की पहली ही गेंद पर चौका लगाया। यह पांचवां ऐसा टी20 विश्वकप है, जिसकी

शुरूआत चौके के साथ हुई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले दिन का दूसरा मैच वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के बीच कोलकाता में जारी है, जबकि दिन के तीसरे मैच में भारत के सामने अमेरिका की टीम होगी। नीदरलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के पसीने छूटे टी20 विश्वकप का आगाज हो चुका है। पहले मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को तीन विकेट से हरा दिया है। पाकिस्तान की टीम पहले ही मैच में उलटफेर से बच गई। कोलंबो में खेले गए इस मैच में 148 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में सात विकेट पर 119 रन बनाकर जूझ रही थी। उसे आखिरी दो ओवर में 29 रन की दरकार थी। हालांकि, 19वें ओवर ने पूरा मैच बदल दिया। 19वें ओवर में लोगन वान बीक गेंदबाजी के लिए आए और इस ओवर में पाकिस्तान के फहीम अशरफ और शाहीन अफरीदी ने 24 रन बटोरे। हारते-हारते बचा पाकिस्तान इस ओवर की पहली गेंद पर फहीम ने छक्का लगाया, लेकिन दूसरी ही गेंद पर मैक्स ओडॉड ने फहीम का आसान कैच छोड़ दिया। इसके बाद फहीम ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए अगली चार गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाया। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिए पांच रन चाहिए थे और तीन गेंदों में पांच रन बना लिए। इस तरह पाकिस्तान ने 19.3 ओवर में सात विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। फहीम 11 गेंद में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 29 रन और शाहीन अफरीदी पांच रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 147 रन बनाए थे। नीदरलैंड ने जीता हुआ मैच गंवा दिया, वहीं पाकिस्तान की टीम जीत तो गई, लेकिन नीदरलैंड ने उनकी सांसें अटका दी थीं। ऐसे में आगे अमेरिका की टीम उनका बैंड बजा सकती है।

जेमिमा को मिल सकता है प्रमोशन, हरमनप्रीत-मंधाना और दीप्ति के साथ ग्रेड-ए में एंट्री?

मुंबई : बीसीसीआई के महिला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में जेमिमा रोड्रिग्स को ग्रेड अ में प्रमोट किए जाने की खबर है। इस कैटेगरी में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा पहले से शामिल हैं। ग्रेड अ खिलाड़ियों को सालाना 50 लाख रुपये मिलते हैं। पुरुषों के बाद अब महिला क्रिकेटरों के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर चर्चा जोरों पर है। बीसीसीआई इसका जल्दा एलान कर सकता है। उससे पहले खबर है कि

जेमिमा रॉड्रिग्स को प्रमोशन मिल सकता है। उन्हें टीम इंडिया की कुछ दिग्गज खिलाड़ियों के साथ सबसे उच्चस्तरीय ग्रुप यानी ग्रुप-ए में रखा जा सकता है। भारतीय महिला क्रिकेट में जेमिमा रॉड्रिग्स की लगातार शानदार फॉर्म का असर कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें ग्रेड बी से प्रमोट कर ग्रेड ए में शामिल किया जाएगा। इस टॉप कैटेगरी में कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पहले से बरकरार हैं। किसे कितनी सैलरी ग्रेड ए में आने वाले खिलाड़ियों को सालाना 50 लाख रुपये मिलते हैं। वहीं ग्रेड बी के खिलाड़ियों को 30 लाख और ग्रेड सी में शामिल खिलाड़ियों को 10 लाख रुपये दिए जाते हैं। खबर है कि बीसीसीआई ने इस बार महिला वर्ग में कुल 21 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया है। हालांकि, इसको लेकर बीसीसीआई के आधिकारिक पोस्ट का इंतजार है। इन खिलाड़ियों की नई एंट्री रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, श्री चरणी, हरलीन देओल, काश्वी गौतम, जी कमलिनी, वैष्णवी शर्मा और तेजल हसबनीस को पहली बार कॉन्ट्रैक्ट सूची में जगह मिली है।

टी20 विश्वकप 2026 शुरू: यहां देखें शेड्यूल; सुपर-8 का ग्रुप और टीमें कैसे तय होंगी? प्रारूप की पूरी जानकारी

नईदिल्ली: टी20 विश्व कप 2026 न सिर्फ मैदानों के लिहाज से भव्य होगा, बल्कि इसके नियम और आयोजन ढांचा भी मुकाबलों को बेहद रोमांचक बनाने वाला है। भारत-श्रीलंका के इन प्रतिष्ठित स्टेडियमों में दुनिया भर के क्रिकेट फैंस को हाई-वोल्टेज टी20 क्रिकेट देखने को मिलेगा। टी20 विश्व कप 2026 का आगाज हो चुका है। यह टूर्नामेंट आठ मार्च तक खेला जाएगा। इस दौरान कुल 55 मैच खेले जाएंगे। इनमें ग्रुप स्टेज के 40 मैच, सुपर-8 के 12 मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल शामिल हैं। बांग्लादेश को बाहर कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दी और टूर्नामेंट का अपडेटेड शेड्यूल जारी किया। बांग्लादेश ग्रुप सी में था और स्कॉटलैंड को ग्रुप सी में रखा गया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले क्रिकेट के इस महाकुंभ में कई हाईवोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। हालांकि, पाकिस्तान ने 15 फरवरी को टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबले से पीछे हटने का फैसला किया। उस दिन भारत और पाकिस्तान का मैच कोलंबो में होना था, लेकिन पीसीबी ने इस मैच के बहिष्कार का एलान किया। ऐसे में फैंस के लिए मजा थोड़ा किरकिरा जरूर होगा, लेकिन नुकसान पाकिस्तान का ही है। अगर उसे ग्रुप-ए में अन्य टीमों के खिलाफ हार मिली तो उसके लिए सुपर-8 का रास्ता मुश्किल हो जाएगा। 19 फरवरी तक हर रोज तीन मुकाबले शुरूआती चरण यानी ग्रुप स्टेज में क्रिकेट फैंस को लगभग हर दिन तीन-

तीन मुकाबलों का रोमांच देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि 19 फरवरी तक टूर्नामेंट अपने सबसे व्यस्त दौर में रहेगा, जहां लगातार हर रोज तीन मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद 21 फरवरी से एक मार्च तक सुपर-आठ राउंड चलेगा। चार मार्च और पांच मार्च को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि आठ मार्च को फाइनल खेला जाएगा। एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में ही खेलेगा। अगर टीम फाइनल में पहुंचती है तो फाइनल भी कोलंबो में खेला जाएगा। वरना फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मैच का क्यो होगा समय? 19 फरवरी तक जो तीन मुकाबले खेले जाएंगे, उसका पहला मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे से, दूसरा मैच दोपहर तीन बजे से और तीसरा मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा। सात फरवरी को पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच कोलंबो में मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरूआत होगी। वहीं, भारत अपना पहला मैच भी सात फरवरी को वानखेड़े में खेलेगा। यह मैच शाम सात बजे से खेला जाएगा। सात फरवरी का दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के बीच ईडन गार्डेन्स में होगा। 20 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया-ओमान के मुकाबले के साथ ही ग्रुप-स्टेज के मुकाबले खत्म हो जाएंगे। इसके बाद सुपर-8 राउंड में 21, 23, 24, 25, 27 और 28 फरवरी को एक-एक मैच खेले जाएंगे। वहीं, 22 फरवरी, 26 फरवरी और एक मार्च को सुपर-8 राउंड में दो मुकाबले खेले जाएंगे। सुपर-8 में अगर एक मैच हुआ तो मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम सात बजे से खेला जाएगा। और अगर दो मुकाबले होते हैं तो पहला मैच दोपहर तीन बजे से और दूसरा शाम सात बजे से खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल के सभी मैच शाम सात बजे से होंगे। ग्रुप स्टेज से फाइनल तक पूरा फॉर्मेट समझिए ग्रुप-स्टेज में किस प्रकार होंगे मैच ग्रुप स्टेज में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने इस बार भी वही बड़ा और संतुलित फॉर्मेट अपनाया है, ताकि एसोसिएट टीमों को अधिक मौके मिल सकें और मुकाबले रोमांचक बने रहें। 20 टीमों को चार ग्रुप (ए, बी, सी और डी) में बांटा गया है, जिनमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी चार टीमों के खिलाफ चार मुकाबले खेलेगी। जीत पर टीम को दो अंक, नो रिजल्ट पर एक अंक, जबकि हार पर शून्य अंक मिलेगा। ग्रुप स्टेज के बाद हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर-8 चरण में प्रवेश करेंगी।

यू-टर्न लेगा पाकिस्तान?: श्रीलंका की दखल के बाद सरकार से फिर बात करेगा PCB, भारत से खेलने पर होगा सलाह-मशवरा

कराची : श्रीलंका क्रिकेट ने भारत-पाकिस्तान मैच के बॉयकॉट पर पुनर्विचार की अपील की है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सरकार से दोबारा सलाह लेने का भरोसा दिया है। माना जा रहा है कि इस बड़े मुकाबले के बिना मेजबान बोर्ड को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। टी20 विश्वकप 2026 का आगाज हो चुका है। हालांकि, क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के सबसे बड़े टूनार्मेंट से पहले चर्चा खिलाड़ियों या खेल की नहीं बल्कि मैदान से बाहर की गतिविधियों की ही रही है और शायद राजनीति का इतना असर किसी विश्व कप पर पहले देखने में आया हो। भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर खेलने से इनकार पर बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गया। वहीं अपने पड़ोसी के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। इसको लेकर खूब बवाल हुआ, लेकिन अब इस पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) एक बार फिर इस मैच को लेकर अपनी सरकार से सलाह लेने की तैयारी में है। दरअसल, श्रीलंका क्रिकेट ने ईमेल भेजकर अनुरोध किया था कि पाकिस्तान अपने फैसले पर पुनर्विचार करे, क्योंकि इस मैच के रद्द रहने से टूर्नामेंट की छवि और कमाई, दोनों पर असर पड़ेगा। सरकार ने खेलने दिया, पर

भारत के खिलाफ रोक पाकिस्तान सरकार ने टीम को टी20 वर्ल्ड कप खेलने की मंजूरी तो दी है, लेकिन भारत के खिलाफ मैच खेलने से रोक रखा है। जबकि यही मुकाबला आईसीसी और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है। ऐसे में मेजबानों के लिए यह आर्थिक रूप से बेहद अहम है। सीधे पीसीबी चेयरमैन से संपर्क न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि श्रीलंका बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने खुद पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी से बात की है। एक सूत्र ने कहा, 'पाकिस्तान के श्रीलंका के साथ सरकार से सरकार और क्रिकेट स्तर पर हमेशा बेहद करीबी और दोस्ताना रिश्ते रहे हैं। इसलिए उनके बोर्ड की मेल को यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।' सूत्र ने यह भी बताया, 'मोहसिन नकवी से श्रीलंका बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने सीधे संपर्क किया है और याद दिलाया है कि इस समय श्रीलंका को पाकिस्तान के साथ की जरूरत है, क्योंकि भारत-पाक मैच नहीं होने पर टिकट बिक्री, हॉस्पिटैलिटी और अन्य आय में बड़ा नुकसान होगा।' सूत्र ने बताया, 'नकवी ने अपने समकक्ष को भरोसा दिया है कि वह सरकार से सलाह कर उन्हें जवाब देंगे।' नकवी ने क्या दिया जवाब बताया जा रहा है कि मोहसिन नकवी ने अपने श्रीलंकाई समकक्ष को आश्वस्त किया है कि वह इस मसले पर सरकार से बात करेंगे। सूत्र के मुताबिक, 'मोहसिन नकवी देश में भी नहीं थे और आज लौट रहे हैं। वह इस ईमेल को प्रधानमंत्री के संज्ञान में लाएंगे, जिसके बाद सोमवार तक इस मामले पर फैसला हो सकता है।' साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि पाकिस्तान द्वारा श्रीलंका के अनुरोध को ठुकराने की खबरें सही नहीं हैं। पुराना साथ भी याद दिलाया सूत्रों ने यह भी याद दिलाया, 'पिछले नवंबर में जब सुरक्षा चिंताओं के कारण कुछ खिलाड़ी पाकिस्तान दौरे से लौटना चाहते थे, तब श्रीलंका सरकार ने न सिर्फ बोर्ड बल्कि खिलाड़ियों को भी व्हाइट बॉल सीरीज पूरी करने का निर्देश दिया था।

पहले ही मैच में फुस्स पटाखा साबित हुए बाबर, आगा की भी उड़ी खिल्ली

कोलंबो : टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में ही पाकिस्तान ने अपनी तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है। शनिवार को नीदरलैंड के खिलाफ भले ही सलमान अली आगा की टीम ने तीन विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन उनके बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन ने सोशल मीडिया यूजर्स का पारा बढ़ा दिया। टी20 विश्व कप 2026 का आगाज हो चुका है। पहला मुकाबला पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच कोलंबो में खेला गया। इस मैच में भले ही पाकिस्तान ने तीन विकेट से जीत दर्ज

की, लेकिन उनकी तैयारियों की पोल खुल गई। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर फ्लॉप हुए। वहीं, कप्तान सलमान अली आगा का बल्ला भी खामोश रहा। बाबर का लगातार फ्लॉप प्रदर्शन बना सिरदर्द! वैश्विक टूनार्मेंट के शुरूआती मुकाबले में पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम ने 83.33 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 18 गेंदों में सिर्फ 15 रन बनाए। उन्हें रोलॉफ ने अपना शिकार बनाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में भी 31 वर्षीय बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। उन्होंने 24, 2 और 50* रनों की पारियां खेलीं। पिछली चार टी20 पारियों में दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने सिर्फ एक अर्धशतकीय पारी खेली है। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण बाबर सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर हैं। कप्तान आगा भी ट्रोलर्स के निशाने पर ऐसा ही हाल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा का रहा। वह भी सिर्फ 12 रन बना सके और आर्यन दत्त का शिकार बन गए। प्रशंसकों का मानना है कि पाकिस्तान इस तैयारी के साथ अगर विश्व कप जीतने की इच्छा लेकर आया है, तो उसे लौट जाना चाहिए।

तिलक की वापसी से सैमसन या ईशान, किसका कटेगा पत्ता? कैसी होगी संभावित प्लेइंग-11

मुंबई : भारत अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपने खिताब बचाव के अभियान में उतरेगी। भारतीय टीम शानदार फॉर्म में है और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत प्लेइंग-11 में कोई बड़ा बदलाव करता है या नहीं। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम टी20 विश्व कप में अपना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगी। भारत का पहले मैच में सामना अमेरिका से होगा। भारत और अमेरिका के

बीच यह मुकाबला शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर खेला जाएगा। भारत ने 2024 विश्व कप में अमेरिका को हराया था और इस टीम के खिलाफ भारतीय टीम का पलड़ा भारी होगा। भारत खिताब का प्रबल दावेदार भारत और श्रीलंका में शनिवार से टी20 विश्व कप शुरू हो रहा है जिसमें सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली गत चैंपियन भारतीय टीम खिताब की सबसे प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम शानदार फॉर्म में चल रही है और उसने हाल ही में न्यूजीलैंड को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। भारत के लिए राहत की बात यह है कि लगभग उसके हर खिलाड़ी फॉर्म में हैं। तिलक की होगी वापसी भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा भी चोट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। तिलक पेट की सर्जरी के कारण कुछ समय तक मैदान से बाहर थे। तिलक ने अभ्यास मैच में हिस्सा लिया था और अच्छी बल्लेबाजी की थी। यह तय है कि तिलक अपने नियमित स्थान तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे और चौथे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार आएंगे। सूर्यकुमार ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से फॉर्म में वापसी की है और सभी को उम्मीद रहेगी कि वह टी20 विश्व कप में भी इस फॉर्म को बरकरार रखेंगे। वॉशिंगटन को मौका मिलने की संभावना कम टी20 विश्व कप के लिए भारत की प्लेइंग-11 लगभग तय ही है, लेकिन एक स्थान जिस पर सबसे ज्यादा नजर रहेगी वो वॉशिंगटन सुंदर हैं। टीम में हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल के रूप में पहले से ही दो ऑलराउंडर मौजूद हैं, ऐसे में इस बात की संभावना कम है कि वॉशिंगटन को प्लेइंग-11 में जगह मिलेगी। भारत के लिए शिवम दुबे अभ्यास मैच में काफी महंगे साबित हुए थे। शिवम को अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देने की जरूरत है। गेंदबाजी की अगुआई करेंगे बुमराह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई करेंगे। अर्शदीप सिंह, हार्दिक पांड्या और शिवम तेज गेंदबाजी विभाग का जिम्मा संभालेंगे, जबकि अक्षर पटेल के साथ वरुण चक्रवर्ती स्पिन की जिम्मेदारी देखेंगे।

'चूरमा खिलाकर करेंगे स्वागत', भारत की अंडर-19 विश्व कप जीत पर बोलीं कनिष्क चौहान की मां

झज्जर: कनिष्क के पिता प्रदीप चौहान ने कहा कि उसने बहुत शानदार परफॉर्मेंस दी। हमें इस लेवल की परफॉर्मेंस की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उसने बहुत अच्छा खेल दिखाया है, सच में बहुत बढ़िया परफॉर्मेंस दी। अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर विश्व कप अपने नाम किया। इस मैच में कनिष्क चौहान के ऑलराउंड प्रदर्शन से उनके परिवार और गांव में जश्न का माहौल है। कनिष्क की मां सरिता चौहान ने कहा कि हमने कनिष्क के आने की पूरी तैयारी कर ली है। उसका स्वागत नौ फरवरी को किया जाएगा। एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कनिष्क को हम चूरमा खिलाकर उसका गर्मजोशी से स्वागत करेंगे। उन्होंने अभिभावकों के नाम एक संदेश देते हुए कहा कि बच्चों के अंदर प्रतिभा होती है, बस उसे सही समय पर जानने की जरूरत है। बच्चों को सपोर्ट करना जरूरी है। अगर सपोर्ट करेंगे तो जाहिर सी बात है कि बच्चे हमें उसका परिणाम भी देंगे। कनिष्क के पिता प्रदीप चौहान ने कहा कि उसने बहुत शानदार परफॉर्मेंस दी। हमें इस लेवल की परफॉर्मेंस की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उसने बहुत अच्छा खेल दिखाया है, सच में बहुत बढ़िया परफॉर्मेंस दी। हमें उम्मीद है कि हमारा बेटा बहुत जल्द सीनियर टीम में आएगा और देश का मान सम्मान बढ़ाएगा। उन्होंने बताया कि 9 फरवरी को बेटे के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया।

मलिहाबाद तहसील दिवस में भड़के वकील, हड़ताल की चेतावनी दी

लखनऊ,(संवाददाता)। मलिहाबाद में शनिवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। अधिकांश शिकायतें राजस्व, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग से संबंधित थीं। इसी तहसील दिवस में मलिहाबाद बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने एसीपी कोर्ट के संचालन और उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 76 के तहत लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे की मांग की। बार एसोसिएशन के अनुसार, पिछले लगभग पांच सालों से एसीपी कोर्ट का संचालन नहीं हो रहा है। इससे दूर-दराज के ग्रामीण निवासियों और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनमें काफी रोष है। अधिवक्ताओं ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 76 की उपधारा (2)-(3) के स्पष्ट प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। इस प्रावधान के तहत, 5 वर्ष की अवधि समाप्त होने पर असंक्रमणीय अधिकार वाला भूमिधर संक्रमणीय अधिकार वाला भूमिधर हो जाता है। वर्तमान में धारा 76 के तहत बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं।

दुबई फैशन वीक में मनीष मल्होत्रा की शोस्टॉपर बनीं कृति सेनन, बिखेरा सक्सेस का ग्लो

विरासत और हाई फैशन के शानदार संगम में, बॉलीवुड की अग्रणी अभिनेत्री कृति सेनन ने दुबई फैशन वीक में मनीष मल्होत्रा के लेटेस्ट कलेक्शन इनाया द इंडिया स्टोरी के लिए एकमात्र शोस्टॉपर बनकर रैंप पर कदम रखा। दुबई डिजाइन डिस्ट्रिक्ट में वॉक करते हुए कृति की मौजूदगी ने उनके लगातार बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कद का दमदार सबूत दिया। तेरे इश्क में जैसी हालिया सफल परियोजनाओं के बाद उनके चेहरे पर सफलता की चमक साफ झलक रही थी उनकी नई आत्मविश्वास भरी गरिमा और सहज एलिगेंस ने एलीट ऑडियंस को मंत्रमुग्ध कर दिया। कृति आइवरी रंग के एक भव्य कुट्योर पहनावे में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जिसने आधुनिक भारतीय शिल्पकला को नए सिरे से परिभाषित किया। उनके आउटफिट में नाजुक कढ़ाई वाला बस्टियर, हाई-वेस्टेड फ्लोर-लेंथ स्कर्ट के साथ था, जिस पर इंट्रिकेट कैस्केडिंग फ्रिंज और शिमरिंग बीडवर्क किया गया था। लुक को और निखारा एक शीयर, फ्लोर-स्वीपिंग ट्यूल केप और एलिगेंट हाई-नेक कॉलर ने जो पारंपरिक टेक्सचर्स को स्लीक, कंटेम्पररी सिलुएट से खूबसूरती से जोड़ता है। स्टेटमेंट एमराल्ड ज्वेलरी ने एथीरियल व्हाइट्स के साथ बोल्ड, रॉयल कॉन्ट्रास्ट दिया। मनीष मल्होत्रा का इनाया भारत की जीवंत शिल्प परंपराओं का गहन प्रतिबिंब है, जिसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर संस्कृति और आधुनिक पहचान के बीच सेतु बनाया गया। कृति सेनन को इस शोकेस का चेहरा बनाकर, यह प्रस्तुति विरासत से गढ़ी गई और रोमांस से नरम की गई कुट्योर की एक नई दृष्टि लेकर आई। शो का समापन एक भावनात्मक शांत क्षण में हुआ जो लक्जरी के अधिक संवेदनशील और परिष्कृत युग की ओर इशारा करता है। समकालीन स्टार पावर और सदियों पुरानी भारतीय कला के इस संगम ने वैश्विक कुट्योर की कथा गढ़ने में मनीष मल्होत्रा के प्रभुत्व को एक बार फिर दृढ़ किया।

फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर, बॉर्डर एक्टर का 68 वर्ष में हार्ट अटैक से निधन

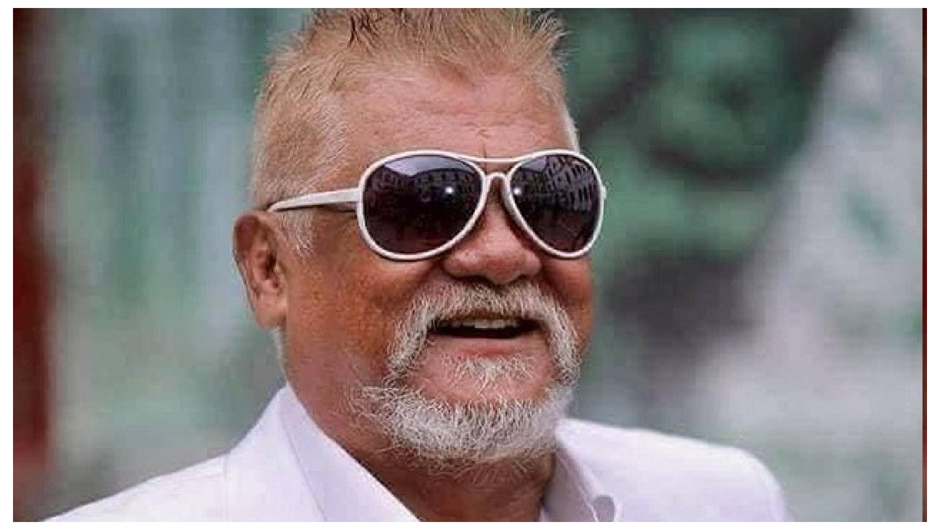

नेपाल और भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता सुनील थापा का 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे नेपाली फिल्म (जीएनएस)चिनो(जीएनएस) में अपने खलनायक किरदार (जीएनएस)रेटे कैला(जीएनएस) के लिए खास तौर पर मशहूर थे। सुनील थापा ने नेपाली और भारतीय फिल्मों में लंबा और प्रभावशाली करियर बनाया और दर्शकों के दिलों में हमेशा एक यादगार जगह बनाई। सुनील थापा का निधन शुक्रवार, 7 फरवरी 2026, सुबह काठमांडू के थापाथली स्थित नॉरविक अस्पताल में हुआ। शुरूआती जानकारी के अनुसार, उन्हें घर में अचेत अवस्था में पाया गया। तुरंत उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां ईसीजी जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक, मौत की वजह संभावित हार्ट अटैक मानी जा रही है। सुनील थापा नेपाली फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्रभावशाली कलाकारों में से एक माने जाते थे। उन्होंने अपने करियर में 300 से अधिक नेपाली फिल्मों में काम किया। उनकी सबसे यादगार भूमिका फिल्म (जीएनएस)चिनो(जीएनएस) में खलनायक (जीएनएस)रेटे कैला(जीएनएस) की थी। इस किरदार ने उन्हें नेपाली सिनेमा का आइकॉनिक विलेन बना दिया। सुनील थापा ने अपने करियर की शुरूआत 1970 के दशक में मुंबई में मॉडलिंग से की थी। उन्होंने कई बड़े कपड़ा ब्रांड्स के लिए मॉडलिंग की। फिल्मों में आने से पहले वे प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी भी थे और बॉम्बे के कई क्लबों का प्रतिनिधित्व किया।

बॉक्स ऑफिस से ओटीटी तक भूमि पेडनेकर का जलवा, (जीएनएस)दलदल(जीएनएस) को मिली वैश्विक सराहना

भूमि सतीश पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉमूर्ले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ दिखाती है कि वह ग्लैमर और जरूरत से ज्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेटरू एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के जरिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

भूमि की फिल्मों और शोज में दिखावा कम और कंटेंट ज्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे जरूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेजन प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दशार्ती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है। दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है। सिनेमाघरों से लेकर दुनियाभर के स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तक, भूमि ऐसा काम कर रही हैं जो खुद बोलता है। दलदल की सफलता के साथ यह साफ है कि भूमि सतीश पेडनेकर हर बार बड़ा जोखिम लेती हैं और उसे पूरी मजबूती से निभाती हैं।

फिल्म नागबंधम में ऋषभ साहनी बने अब्दाली, फर्स्ट लुक ने बढ़ाया क्रेज

अभिषेक नामा की मोस्ट अवेटेड माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा नागबंधम, जिसमें वीरत कर्णा लीड रोल में नजर आएंगे, इस समर ग्रैंड पैन-इंडिया रिलीज के लिए तैयार है। 15 तारीख को महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज होने वाला है, जिससे पहले मेकर्स ने इस एपिक कहानी के एक अहम किरदार का फर्स्ट लुक भी सामने ला दिया है, जिसने एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

फाइटर में अपने दमदार अंदाज से पहचान बना चुके ऋषभ साहनी ने नागबंधम में भी जबरदस्त असर छोड़ा है। फिल्म में वह कुख्यात अफगान सुल्तान अब्दाली के रोल में नजर आएंगे। 1750 के दौर पर बनी यह कहानी भारत में अब्दाली के हमलों को दिखाती है, जहां मंदिरों की लूट, दौलत की भूख और उसकी बेरहम फितरत को सामने रखा गया है।

फर्स्ट-लुक पोस्टर एक जबरदस्त और डरावने माहौल को दिखाता है, जहां बर्फ से ढका जंग का मैदान तूफानी हवाओं से घिरा है। ऋषभ मिड-चार्ज में नजर आते हैं, हाथ में खून से सना विशाल बैटल एक्स लिए हुए, आंखों में खौफ और जुनून साफ झलकता है।

उनके पीछे विशाल सेना आगे बढ़ती दिखती है, ठंडी हवाओं में लहराते हरे जंगी झंडे, तीरंदाज, योद्धा और विशाल युद्ध हाथी इस हाई-वोल्टेज वॉर कैनवास को और भव्य बना देते हैं।

खतरे का एहसास और बढ़ाने के लिए चारों ओर चमकती आंखों वाले भेड़ियों का झुंड नजर आता है, जो ताकत, तबाही और आने वाले विनाश का माहौल रच देता है।

कब तक रोक लोगे डांसर सपना चौधरी ने इस कंटेस्टेंट को दी पीटने की धमकी; शो द 50 में जमकर हुआ हंगामा

रियलिटी शो ह्यद 50ह्न हाल ही में शुरू हुआ है। इस शो में दर्शकों को काफी एंटरटेनमेंट देखने को मिल रहा है। अब रियलिटी शो के नए प्रोमो मेंसपना चौधरी एक प्रतियोगी से झगड़ती दिख रही हैं। दोनों के बीच खूब झगड़ा हुआ। जानिए, दोनों के बीच क्यों हुई नोक-झोंक? रियलिटी शो द 50 में अलग-अलग फील्ड से जुड़े 50 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं। ह्यबिग बॉस की ही तरह इसमें भी कंटेस्टेंट के बीच नोंक-झोंक और लड़ाई देखने को मिल रही है। हालांकि लड़ाई के मामले में इस शो को बिग बॉस से ऊपर माना जा रहा है। यहां एंटरटेनमेंट कम, लड़ाई-झगड़े ज्यादा हो रहे हैं। हाल ही में डांसर सपना चौधरी और एक्ट्रेस दिव्या अग्रवाल के बीच खूब घमासान हुआ। कौन किसे मारेगा थप्पड़? जियो हॉटस्टार ने शो से जुड़ा एक और प्रोमो रिलीज किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा-जब दो स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी टकराएंगी, तो कलेश होगा ही। साथ ही प्रोमो में सपना चौधरी और दिव्या अग्रवाल का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो की शुरूआत में सपना दूसरे कंटेस्टेंट से कह रही हैं, कब तक रोक लोगे, मैं इसे (दिव्या) को मारूंगी। जिसके बाद दिव्या इसके जवाब में सपना से कह रही हैं, अगर मुझे थप्पड़ मारेगी, तो मेरा एमएमए का मुक्का पड़ेगा।ह्न वीडियो के बीच में दोनों के बीच जबरदस्त कहा-सुनी देखने को मिलती है। प्रोमो देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि अपकमिंग एपिसोड में जबरदस्त एंटरटेनमेंट दर्शकों को देखने को मिलने वाला है। बीते दिनों भी सपना का हुआ था झगड़ा बीते दिनों भी सपना चौधरी और इंफ्लुएंसर अदनान शेख के बीच जमकर झगड़ा देखने को मिला था। इस झगड़े में अदनान ने सपना चौधरी को लेकर बदजुबानी की थी। इस पर वह भड़क गई थी और उन्हें मारने-पीटने की धमकी दे डाली थी। क्या है शो द 50 का कॉन्सेप्ट? यह एक अलग तरह का गेम शो होगा। इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हैं। शो में एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन जैसे कई लोग शामिल हैं। द 50 में युविका चौधरी, प्रिंस नरूला, रजत दलाल, करण पटेल जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं। यह शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

आठवें दिन 'मदार्नी 3' का घटा बॉक्स ऑफिस कलेक्शन, 300 करोड़ क्लब पर 'बॉर्डर 2' की निगाहें

सिनेमाघरों में नई रिलीज हुई फिल्मों के बीच 'मदार्नी 3' और 'बॉर्डर 2' ने दम दिखाया है। जहां 'मदार्नी 3' का कलेक्शन घटा है वहीं 'बॉर्डर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। रानी मुखर्जी की अदाकारी वाली फिल्म 'मदार्नी 3' की रिलीज का आज आठवां दिन है। शुरूआत में और वीकएंड पर फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया। इसके बाद इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह से सिनेमाघरों में फिल्म 'बॉर्डर 2' लोगों का मनोरंजन कर रही है। इस फिल्म की रिलीज का आज 15वां दिन है। यह फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। आइए जानते हैं शुक्रवार को दोनों फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया है? 'मदार्नी 3' का आज का कलेक्शन फिल्म 'मदार्नी 3' ने 30 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दी। आज आठवें दिन खबर लिखे जाने तक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 96 लाख रुपये का कलेक्शन किया है।

इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 27.26 करोड़ रुपये हो गया है। 'बॉर्डर 2' का कलेक्शन फिल्म 'बॉर्डर 2' की रिलीज का आज 15वां दिन है। फिल्म के कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई है। आज खबर लिखे जाने तक इसने बॉक्स ऑफिस पर 1.57 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। गुरुवार को इसने 3.5 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म का टोटल कलेक्शन 295.97 करोड़ रुपये हो गया है। पहले दिन 'बॉर्डर 2' ने 30 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी। पहले हफ्ते में इसने 224.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 70.15 करोड़ रुपये कमाए थे।

उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति में व्यापक सुधार पीक ऑवर में भी बिजली कटौती न के बराबर

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बिजली संकट अब बीते दौर की बात बन गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने बिजली की कमी से जूझने वाले राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए ऊर्जा स्थिरता और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। प्रदेश में बिजली की मांग व आपूर्ति के बीच का अंतर लगातार घटा है और अब यह लगभग शून्य के स्तर पर पहुंच गया है। योगी सरकार का मानना है कि मजबूत बिजली व्यवस्था ही मजबूत अर्थव्यवस्था की बुनियाद होती है। बेहतर बिजली आपूर्ति के चलते प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ा है, एमएसएमई सेक्टर को संबल मिला है और रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में उत्तर प्रदेश की बिजली की कुल आवश्यकता 1 लाख 44 हजार 251 मिलियन यूनिट थी। योगी सरकार ने बिजली की मांग व आपूर्ति के अंतर को समाप्त करने के लिए नीतियों और प्रबंधन सुधारों का जो प्रयास किया, उसका असर दिखने लगा। वित्त वर्ष 2023-24 में आपूर्ति 1 लाख 48 हजार 287 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1 लाख 64 हजार 786 मिलियन यूनिट हो गई। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिसंबर 2025 तक की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ। इस अवधि में बिजली की कमी व्यावहारिक रूप से लगभग खत्म हो गई है।

बीएनपी के घोषणापत्र में हिंदुओं के कल्याण के लिए बड़ा वादा, मतपत्रों से हसीना का चुनाव चिह्न गायब

ढाका : बांग्लादेश चुनाव में पहली बार गोपालगंज में अवामी लीग का नाव चिन्ह मतपत्र से गायब रहेगा, जिससे सियासी समीकरण बदले दिख रहे हैं। बीएनपी और जमात को बढ़त मिलती नजर आ रही है। चुनाव से पहले ढाका में प्रदर्शन और झड़प में 50 लोग घायल हुए। बीएनपी ने घोषणापत्र में हिंदुओं के लिए एक वादा भी किया है। आइए पूरे मामले को विस्तार से समझते हैं। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव से छह दिन पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें सामूहिक प्रगति के लिए पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंध बनाने, सीमापार होने वाली हत्याओं और घुसपैठ को रोकने के उपायों की घोषणा की गई है। ये वादे भारत के संदर्भ में माने जा रहे हैं। बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान की ओर से जारी 51-सूत्री घोषणापत्र में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए फंडिंग बढ़ाने का भी वादा किया गया है। रहमान ने एक होटल में कहा कि हम अपने देश के हित, स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखते हुए अन्य देशों के साथ संबंध बनाएंगे। हम अपने पड़ोसियों के साथ समानता, सहयोग और दोस्ती के संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उस रिश्ते की नींव आपसी सम्मान और समझ पर आधारित होगी, जो सामूहिक प्रगति सुनिश्चित करेगी। एजेंसी और क्या-क्या वादे? नदियों से पानी का लेना सुनिश्चित करने का वादा घोषणापत्र के अनुसार, बीएनपी राज्य शासन के मूल दर्शन के रूप में बांग्लादेश प्रथम को अपनाएगी। रहमान (60) को पिछले महीने अपनी मां, बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद पार्टी प्रमुख चुना गया था। यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की अनुपस्थिति में बांग्लादेश के बदले हुए परिदृश्य में सबसे आगे नजर आ रही है। भारत का नाम लिए बिना घोषणापत्र में कहा गया कि पद्मा (गंगा), तीस्ता और बांग्लादेश की सभी सीमा पार नदियों से पानी का उचित हिस्सा सुनिश्चित किया जाएगा। मतपत्रों में नहीं होगा आवामी लीग का चिन्ह वहीं, दशकों में पहली बार, बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के गृह नगर गोपालगंज में चुनावों के दौरान दिखने वाला प्रतीक उनकी अवामी लीग पार्टी का नाव चिन्ह इस बार मतपत्रों से गायब रहेगा। इसके स्थान पर, बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवारों जैसे प्रतिद्वंद्वियों के चुनाव चिन्ह शामिल रहेंगे। इन्हीं पार्टियों के पोस्टर सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। बैनर-पोस्टरों से भी हसीना व उनकी पार्टी गायब होने से वोटरों में हताशा है। देशभर में जोर-शोर से जारी चुनाव प्रचार में मतदाताओं से 12 फरवरी के मतदान में तीनों दलों का समर्थन करने का आग्रह किया गया है। गोपालगंज जिला लंबे समय से अवामी लीग का सबसे सुरक्षित गढ़ माना जाता रहा है। यहीं से बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक पीएम रहीं हसीना और उनके पिता, बांग्लादेश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान का जन्म हुआ था। हसीना ने 15 वर्षों से अधिक समय तक किया शासन हसीना ने 2024 तक लगातार 15 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया। इस दौरान विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार भी किया। इस माह छपे मतदाताओं के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग आधे पूर्व अवामी लीग मतदाता अब बीएनपी को पसंद करते हैं। वह ज्यादातर जनमत सर्वेक्षणों में सबसे आगे है। 30% मतदाता जमात के पक्ष में हैं। ढाका स्थित कम्युनिकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन व बांग्लादेश इलेक्शन एंड पब्लिक ओपिनियन स्टडीज के मुताबिक, पूर्व अवामी लीग मतदाता प्राथमिकताओं से पीछे नहीं हट रहे हैं, बल्कि विपक्षी विकल्पों के प्रति समर्थन जता रहे हैं। चुनाव से पहले यूनुस के आवास में घुसने को लेकर झड़प ढाका। 12 फरवरी को बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय चुनावों से ठीक छह दिन पहले बांग्लादेश में इंकलाब मोर्चा के हजारों प्रदर्शनकारी ढाका की सड़कों पर उतरे। इन प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के सरकारी आवास में घुसने की कोशिश की। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले, साउंड ग्रेनेड और पानी की बौछार छोड़ी। प्रदर्शनकारी 12 दिसंबर 2025 को ढाका के पलटन इलाके में मारे गए उस्मान हादी के हत्यारे को पकड़ने की मांग कर रहे थे। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। इस दौरान 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए ?हैं।

सूडान में RSF के हमले में आठ बच्चे समेत 24 की मौत, विस्थापितों को ले जा रहे वाहन को बनाया निशाना

खार्तूम : तीन साल से जारी गृह युद्ध ने सूडान में मानवीय संकट को और गहरा दिया है। नॉर्थ कोडोर्फान के रहाद के पास फ्ऱऱद्वारा किए गए ड्रोन हमले में 24 लोग मारे गए, जिनमें आठ बच्चे और दो शिशु शामिल हैं। इसके बाद नागरिकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सुरक्षा की अपील। सूडान में पिछले तीन साल से जारी गृह युद्ध के चलते देश में मानवीय संकट और ज्यादा गहरा होता जा रहा है। सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच जारी संघर्ष ने देश की राजनीतिक पारदर्शिता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी बीच सूडान के नॉर्थ कोडोर्फान प्रांत के रहाद के पास शनिवार को एक ड्रोन हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए, जिनमें

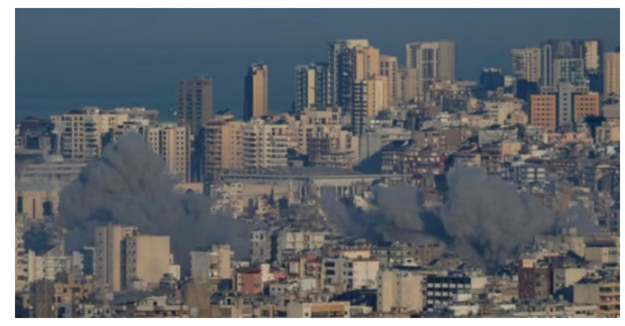

आठ बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला देश के कुख्यात पैरा-मिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने किया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मृतकों में दो शिशु भी शामिल हैं। हमला उस वाहन पर हुआ था जिसमें दुबेकिर इलाके से भागे हुए विस्थापित लोग जा रहे थे। डॉक्टर्स नेटवर्क ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से अपील की है कि वे सिविलियनों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और आरएसएफ नेतृत्व को इन अपराधों के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराएं। आरएसएफ की प्रतिक्रिया का इंतजार हालांकि इस हमले को लेकर आरएसएफ की ओर अभी इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं आई है। यह संगठन पिछले लगभग तीन वर्षों से सूडानी सेना के खिलाफ देश पर कब्जा करने के लिए युद्ध में लगा हुआ है। 2023 से बिगड़े थे हालात गौरतलब है कि सूडान में हालात अप्रैल 2023 में बिगड़े जब सेना और आरएसएफ के बीच सत्ता संघर्ष ने खुला युद्ध शुरू कर दिया।

अमेरिका में दरिंदगी की हद पार: शवगृह मालिक को 40 साल की सजा, 200 लाशों के साथ किया था अमानवीय व्यवहार

कोलोराडो स्प्रिंग्स (अमेरिका) : अमेरिका के कोलोराडो राज्य में एक अंतिम संस्कार गृह के मालिक को करीब 200 शवों को सड़ने के लिए छोड़ने और परिजनों को नकली अवशेष देने के मामले में अदालत ने 40 साल की जेल की सजा सुनाई है। आरोपी ने चार साल के दौरान शवों के साथ अमानवीय व्यवहार है। अमेरिका के कोलोराडो में एक दिल दहला देने वाले मामले में अदालत ने फ्यूनरल होम (शवदाह गृह) के मालिक जॉन हॉलफोर्ड को 40 साल की जेल की सजा सुनाई है। हॉलफोर्ड पर करीब 200 शवों के साथ दुर्व्यवहार करने और परिवारों को धोखा देने का आरोप था। अदालत में पीड़ित परिवारों ने उसे 'राक्षस' और 'घिनौना इंसान' करार दिया। सजा सुनाने की सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार के सदस्यों ने न्यायाधीश एरिक बेंटली को बताया कि अपने प्रियजनों के साथ हुई घटना के बारे में जानने के बाद से उन्हें भयानक सपने आते रहे हैं। उन्होंने जज से आरोपी जॉन हॉलफोर्ड को अधिकतम 50 साल की सजा देने की अपील की। आरोपी हॉलफोर्ड ने सजा सुनाए जाने से पहले माफी मांगी और कहा कि उसे अपने काम पर जीवन भर पछतावा रहेगा। पूर्व पत्नी को हो सकती है 35 साल तक की जेल इस मामले में उसकी पूर्व पत्नी कैरी हॉलफोर्ड, जो रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम की सह-मालिक थी, उसे 24 अप्रैल को सजा सुनाई जानी है। उसे 25 से 35 साल की जेल हो सकती है। इस जोड़े पर शवों के साथ दुर्व्यवहार करने, चोरी करने, धन की हेराफेरी करने और दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप है। दोनों ने अभियोजकों के साथ एक समझौते के तहत शवों के साथ दुर्व्यवहार के लगभग 200 मामलों में दिसंबर में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। क्या है पूरा मामला? जॉन हॉलफोर्ड और उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड 'रिटर्न टू नेचर' नाम से फ्यूनरल होम चलाते थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने189 शवों को एक इमारत में सड़ने के लिए छोड़ दिया।वहीं परिजनों को उनके प्रियजनों की अस्थियों के नाम पर सूखा कंक्रीट (सीमेंट) थमा दिया। यह सिलसिला 2019 से 2023 तक चलता रहा, जिसका खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने बदबू की शिकायत की। हॉलफोर्ड परिवार ने शवों को कोलोराडो स्प्रिंग्स के दक्षिण में स्थित पेनरोस नामक छोटे शहर की एक इमारत में छिपाकर रखा था। मौज मस्ती और शौक में खर्च की रकम कई महीनों की मेहनत के बाद उंगलियों के निशान, डीएनए और अन्य तरीकों की मदद से शवों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि हॉलफोर्ड दंपति ने अंतिम संस्कार के नाम पर परिवारों से प्रति व्यक्ति 1200 डॉलर (करीब 1 लाख रुपये) वसूले। इस पैसे का इस्तेमाल शवों के अंतिम संस्कार के बजाय उन्होंने अपनी विलासिता के लिए किया। उन्होंने लक्जरी गाड़ियां खरीदीं। क्रिप्टोकरेंसी और महंगे ब्रांड्स के गहनों पर पैसे खर्च किए। यहां तक कि कोरोना महामारी के दौरान मिलने वाली सरकारी सहायता में भी 9,00,000 डॉलर की धोखाधड़ी की। जॉन हॉलफोर्ड को इस मामले में 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है, जबकि कैरी हॉलफोर्ड की सजा पर अभी फैसला आना बाकी है। कोर्ट में भावुक हुए परिवार सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार अपने प्रियजनों के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को जानकार भावुक नजर आए। एक पीड़ित बेटी केली मैकीन ने कहा, 'मेरी मां के साथ कूढ़ा जैसा व्यवहार किया गया और उन्हें सैकड़ों अन्य लोगों के साथ सड़ने के लिए छोड़ दिया गया। मेरा दिल टूट गया है।' जांचकताओं के अनुसार जब उन्होंने इमारत की तलाशी ली, तो वहां फर्श पर कीड़े और सड़ते हुए शवों का अंबार लगा था। कुछ शव तो एक-दूसरे के ऊपर रखे हुए थे। जॉन हॉलफोर्ड को राज्य और संघीय दोनों मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। वहीं उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड को 24 अप्रैल को सजा सुनाई जाएगी, उन्हें 25 से 35 साल तक की जेल हो सकती है। इस घटना के बाद कोलोराडो सरकार ने अंतिम संस्कार गृहों के लिए अपने नियमों को और सख्त कर दिया है।

'परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं तो गंभीर होंगे परिणाम', ओमान वार्ता के बाद ट्रंप की खुली धमकी

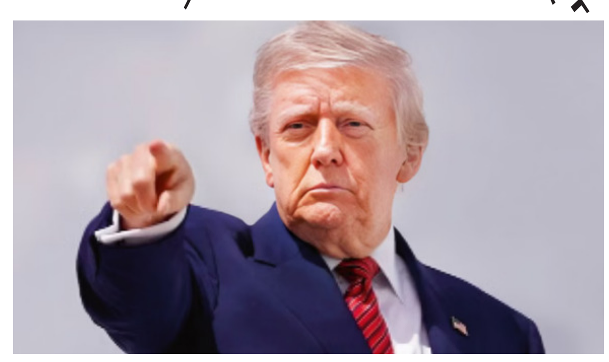

वॉशिंगटन : ऊओमान में अमेरिका और ईरान के बीच हुई परमाणु बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। ऐसे में अब जल्द अगले हफ्ते फिर से अमेरिका और ईरानी नेताओं की बैठक करेगी। हालांकि इस बीच परमाणु कार्यक्रम समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर दवाब बनाया और डील ना करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते पर पहले दौर की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। अब अगले हफ्ते फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता को 'बहुत अच्छा' बताया है और अगले सप्ताह की शुरूआत में और बातचीत की योजना के बारे में कहा। साथ ही दबाव भी बढ़ाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है, तो उसे 'गंभीर परिणाम' भुगतने होंगे। दरअसल, ट्रंप प्रशासन का मुख्य उद्देश्य ईरान को जीरो न्यूक्लियर कैपेबिलिटी यानी शून्य परमाणु क्षमता की ओर ले जाना है। ईरान सिर्फ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात करना चाहता है, जबकि अमेरिका उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों और क्षेत्रीय गतिविधियों को भी समझौते में शामिल करना चाहता है। ट्रंप ने ईरान को इस कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए मजबूर करने के लिए सैन्य कार्रवाईकरने की बार-बार धमकी दी है, इससे पहले उन्होंने तेहरान को देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई के जवाब में इस विमानवाहक पोत को क्षेत्र में भेजा था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे और इस्लामिक गणराज्य में हजारों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था। बातचीत के बाद ट्रंप के ईरान पर नए प्रतिबंध ओमान में हुई बातचीत पर जब कोई ठोक नतीजा सामने नहीं आया तो नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात से जुड़े नेटवर्क पर नई सख्त कार्रवाई की है। नए आदेश के तहत कई कंपनियों, जहाजों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिका के मुताबिक ईरान से जुड़े तेल कारोबार के जरिए नियमों को दरकिनार किया जा रहा था। अमेरिका से बातचीत पर ईरान का बयान बता दें कि ओमान हमेशा की तरह दोनों देशों के बीच पुल का काम कर रहा है। वार्ता में राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर ने किया। दोनों पक्षों के राजनयिक अब अपने-अपने देशों में मशविरा करेंगे। अगली बैठक अगले सप्ताह की शुरूआत में होने की संभावना है। वार्ता के बाद अमेरिका ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इधर, बैठक को लेकर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह एक अच्छी शुरूआत है। हमारे हमने अपने दृष्टिकोण एक-दूसरे तक पहुंचाए, जो बेहद जरूरी था। अराघची ने कहा, हमने अपनी चिंताओं, ईरानी लोगों के अधिकार और हित पर जानकारी साझा की। यह बैठक बहुत अच्छे माहौल में हुई और दूसरे पक्ष के विचारों को भी सुना गया। ईरान के विदेश मंत्री के मुताबिक, ओमान में बातचीत सकारात्मक रही।

'अमेरिकी किसानों-उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार होगा', समझौते पर और क्या बोला यूएसटीआर

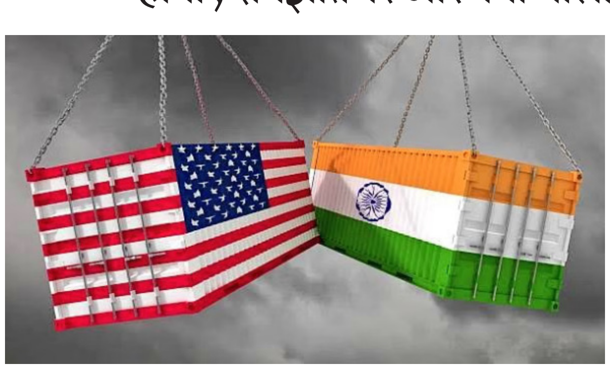

वॉशिंगटन : अमेरिकी विदेश व्यापार नीतियों को बनाने और बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार एजेंसी यूएसटीआर का भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की रूपरेखा पर प्रतिक्रिया आई है। संस्था ने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की तारीफ करते हुए कहा कि यह समझौता अमेरिकी किसानों- उत्पादकों के लिए नए बाजार में पहुंच का विस्तार करेगा। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की अंतिम रूपरेखा पर मुहर लग चुकी है। जिसे लेकर दोनों देशों की ओर से संयुक्त बयान जारी किया गया। अब इस कड़ी में संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) का बयान सामने आया है। जिसमें कहा गया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से अमेरिकी किसानों और उत्पादकों का नए बाजार में पहुंच का विस्तार होगा। बयान में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ व्यापार समझौते के तहत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक में अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश व्यापार नीतियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार एजेंसी ने आगे कहा कि भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर टैरिफ को समाप्त करने या कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। यूएसटीआर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'मेवों और सूखे आसवन अनाज (डीडीजी) से लेकर लाल ज्वार और ताजे और प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) फलों तक, व्यापार समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए नए बाजार तक पहुंच प्रदान करेगा।' एक अन्य पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच का विस्तार कर रहे हैं, जिसके तहत भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर टैरिफ को समाप्त करने या कम करने, व्यापार में लंबे समय से चली आ रही गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने, अधिक अमेरिकी सामान और सेवाएं खरीदने और 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है।' किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर होंगे पैदाः ग्रीर इस समझौते की सराहना करते हुए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जैमीसन ग्रीर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'समझौते' करने के प्रयासों से अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के द्वार खुल रहे हैं।

क्या खत्म होगा यूक्रेन-रूस युद्ध ?: संघर्ष रोकने के लिए अमेरिका ने जून तक की समयसीमा तय की; जेलेंस्की का दावा

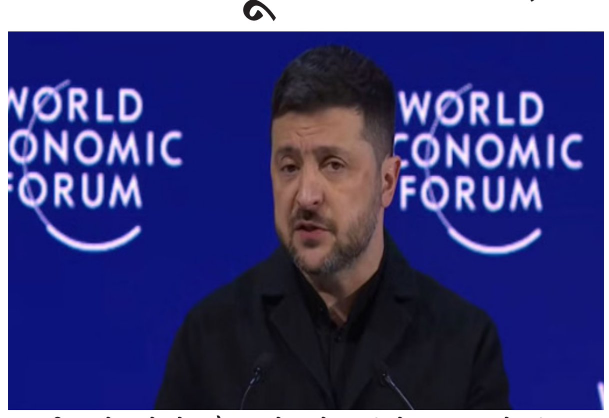

कीवः अमेरिका ने यूक्रेन और रूस को जून 2026 तक युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते की समयसीमा दी है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि तय समयसीमा न मानने पर दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ाया जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि अमेरिका ने यूक्रेन और रूस दोनों को युद्ध समाप्त करने के लिए जून 2026 तक की समयसीमा दी है। अगर इस तय अवधि तक कोई समझौता नहीं होता है, तो अमेरिका दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ा सकता है। गर्मियों की शुरूआत तक युद्ध खत्म करने की कोशिश जेलेंस्की ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि अमेरिकी प्रशासन चाहता है कि गर्मियों की शुरूआत तक युद्ध खत्म करने की दिशा में ठोस नतीजे सामने आएं। हालांकि, जेलेंस्की के बयान पर शनिवार सुबह तक रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कहा 'अमेरिकी पक्ष चाहता है कि इस युद्ध का अंत इस गर्मी की शुरूआत तक हो जाए। वे इसके लिए एक स्पष्ट टाइमलाइन चाहते हैं और उसी के अनुसार दोनों पक्षों पर दबाव भी डाला जाएगा।' यूक्रेनी राष्ट्रपति के मुताबिक, अमेरिका इस प्रक्रिया को केवल बातचीत तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि पूरे शांति समझौते का एक साफ रोडमैप तैयार करने की कोशिश में है। जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि अगर जून तक कोई ठोस प्रगति नहीं होती, तो ट्रंप प्रशासन यूक्रेन और रूस दोनों पर कूटनीतिक और रणनीतिक दबाव बढ़ा सकता है, ताकि युद्ध को किसी भी हाल में रोका जा सके। शांति की उम्मीद अभी कम बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब पांचवें साल में प्रवेश करने वाला है। अमेरिका की कोशिशों के बावजूद अभी तक शांति की दिशा में कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। हालांकि इन सब के बीच जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच आगे और बातचीत जल्द होगी, संभव है कि ये बैठकें अमेरिका में हों। एक रात में सैकड़ों ड्रोन हमले वहीं यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, रूस ने एक ही रात में328 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। दावा किया गया कि इनमें से 297 ड्रोन मार गिराए गए। हालांकि, फिर भी नुकसान हुआ। मध्य यूक्रेन के निप्रोपेत्रोवस्क क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग घायल हुए। जापोरिज्जिया क्षेत्र में हुए हमले में 8 लोग घायल हुए और 18 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसी हमले में एक कुत्तों का आश्रय गृह भी चपेट में आ गया, जिसमें 13 कुत्तों की मौत हो गई। 7 अन्य जानवर घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। रूस पर भी यूक्रेनी हमले रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने 38 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। ब्रायंस्क क्षेत्र में कुछ गांवों की बिजली कुछ समय के लिए चली गई। बेलगोरोद शहर में यूक्रेनी हमले से बिजली संयंत्र और सबस्टेशन को नुकसान पहुंचा, जिससे कई इलाकों में बिजली बाधित हुई। अभी भी मोर्चे पर भीषण लड़ाई जारी गौरतलब है कि कड़ाके की ठंड के बावजूद दोनों देशों के बीच फ्रंट लाइन पर लड़ाई जारी है। यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने बताया कि युद्ध का मोर्चा अब करीब 1,200 किलोमीटर लंबा हो चुका है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के ड्रोन अब पहले से कहीं ज्यादा उन्नत हो गए हैं, जिससे सैनिकों के लिए खतरे का इलाका यानी किल जोन अब 20 किलोमीटर तक फैल चुका है।

कोई गलती नहीं की', ट्रंप का ओबामा-मिशेल की नस्लवादी वीडियो पर माफी मांगने से इनकार; हटाया पोस्ट

वॉशिंगटन : अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो से बवाल मच गया है। हालांकि विरोध के बाद इसे डिलीट कर दिया गया है। लेकिन विवादित वीडियो पर ट्रंप ने माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर ऐसी पोस्ट या वीडियो साझा करते हैं, जिससे विवाद खड़ा हो जाता है। अब ट्रंप के एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी मिशेल ओबामा को वनमानुष के रूप में दिखाया गया। विवाद बढ़ने के बाद इस वीडियो को डिलीट कर दिया गया है। विवादित वीडियो पर माफी मांगने से इनकार डोनाल्ड ट्रंप के वीडियो को नस्लवादी और अपमानजनक बताया गया है। जिसे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों के विरोध के बाद डिलीट कर दिया गया। इस बीच अब ट्रंप ने शुक्रवार को अपनी इस पोस्ट के लिए माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917